

संस्कृतभाषा में लिखे गए हैं।
अधिकारिता सुरक्षा व निर्यात अधिकारिता

चैत्र नवरात्रि के द्वितीय दिवस पर
आप सभी को शुभकामनाएं

माँ ब्रह्मचारिणी

रानी शक्ती की
मनोकामना पूर्ण करें

ब्रीफ न्यूज

‘2028 में कांग्रेस सरकार बनी तो एक-एक का हिसाब होगा’ : डोटासरा



● राजस्थान दर्शन

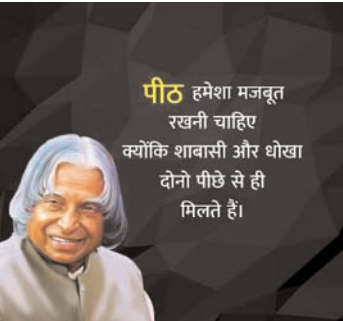
जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के कथित गलत कार्यों में साथ देने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों की सूची तैयार की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि 2028 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी और 2029 में केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार आएगी। डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में राहुल गांधी और राजस्थान में कांग्रेस नेता ऐसे लोगों की सूची तैयार कर रहे हैं। उन्होंने निकाय चुनावों में कथित गड़बड़ियों की जांच की मांग करते हुए डीजीपी की ओर से विजिलेंस जांच कराने की जानकारी का स्वागत किया। डोटासरा ने पंचायत चुनाव में भाजपा का सुपड़ा साफ होने का दावा भी किया। उन्होंने पाली में बौड़ गठन को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ पर वोटों की कथित हेराफेरी और 25 करोड़ रुपये खर्च करने के आरोप लगाए। भाजपा नेताओं पर लगाए गए इन आरोपों पर संबंधित पक्ष का जवाब खबर में शामिल नहीं है।

आरएसएस जिला प्रचारक से मारपीट का आरोप



● राजस्थान दर्शन

जयपुर। जयपुर ग्रामीण के नरैना कस्बे में आरएसएस के सांभर जिला प्रचारक कृष्णकांत के साथ कथित मारपीट और बदसलूकी का मामला सामने आया है। आरोप है कि गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोककर मारपीट की और बाद में शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। घटना के विरोध में रविवार सुबह आरएसएस के स्वयंसेवक नरैना धाने पहुंचे और नाराजगी जताई। मामले में जयपुर ग्रामीण एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने नरैना थानाधिकारी उमराव गुर्जर, एसआई ऑंकार व रमेश तथा कांस्टेबल कुलदीप, महिपाल और विनोद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मामले की विभागीय जांच एसपी स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। घटना के बाद सांभर वृत्ताधिकारी मुकेश जोशी और फूलेंस के पूर्व विधायक निर्मल चौधरी भी धाने पहुंचे।



पीठ हमेशा मजबूत रखनी चाहिए क्योंकि शाबासी और धोखा दोनों पीछे से ही मिलते हैं।

गांवों से पलायन रोकने का संकल्प, हर पंचायत में खेल मैदान और अटल ज्ञान केंद्र!

भाजपा के ग्राम विकास संकल्प पत्र में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और किसानों पर फोकस; गांवों में ही सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। पंचायतीराज चुनाव की सर्गभूमियों के बीच भाजपा ने ग्रामीण राजस्थान के विकास का एजेंडा सामने रखते हुए रविवार को ग्राम विकास संकल्प पत्र जारी किया। मुख्यमंत्री अजयलाल शर्मा ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में संकल्प पत्र का विमोचन करते हुए गांवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन को रोकने, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार की सुविधाएं बढ़ाने तथा युवाओं को गांवों में ही आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप सशक्त गांव और समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार करने का संकल्प जताया। भाजपा के इस संकल्प पत्र में प्रत्येक ग्राम पंचायत में

दैनिक प्रातः कालीन

PRGI No RJHIN/26/A4109

राजस्थान दर्शन

● राजस्थान दर्शन

सहारनपुर। मां शकंभरी देवी की ज्योति लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं की यात्रा शनिवार सुबह दर्दनाक हादसे में मातम में बदल गई। सहारनपुर के देवबंद हाईवे पर तेज रफ्तार केंटर ने श्रद्धालुओं को रौंद दिया और आगे चल रही ज्योति, ट्रॉली तथा डीजे वाहन को भी टक्कर मार दी। हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही परिवारों में चीख-पुकार मच गई। जिन घरों में देवी की ज्योति के आगमन की तैयारी थी, वहां अपनी को खोने का गम छा गया।

एक झटके में उजड़ गई परिवारों की खुशियां

मां शकंभरी देवी के दर्शन और ज्योति लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं को अंदाजा भी नहीं था कि रास्ते में मौत उनका इंतजार कर रही है। तेज रफ्तार केंटर ने श्रद्धालुओं को अपनी चपेट में लेते हुए आगे चल रहे वाहनों को टक्कर मार दी। अचानक हुए इस

हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। चार लोगों की मौत ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया, वहीं 15 घायलों के उपचार को लेकर परिजनों की चिंता बढ़ गई।

दोस्त ने यात्रा पर जाने से किया था मना

हादसे से जुड़ी खबर में एक दोस्त की ओर से यात्रा पर नहीं जाने की सलाह दिए जाने का भी उल्लेख है। हादसे के बाद यह बात दर्द को और गहरा कर देती है। हालांकि, संबंधित व्यक्ति और घटना की परिस्थितियों का विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं होने से इस पहलू की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

आस्था की यात्रा का दर्दनाक अंत

धार्मिक आस्था के साथ मां शकंभरी देवी की ज्योति लेकर निकले श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा कभी न भूलने वाला दुख बन गई। हादसे में जान



गंवने वालों के परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जबकि घायल श्रद्धालु अस्पतालों में ज़िंदगी की जंग

लड़ रहे हैं। एक सड़क हादसे ने कई घरों की खुशियां छीन लीं और पीछे छोड़ गया ऐसे सवाल, जिनके

जवाब पीड़ित परिवार लंबे समय तक तलाशते रहेंगे।

चेन्नई को मिली मेट्रो की नई रफ्तार, पीएम मोदी ने किया पूनमल्ली-वडापलानी रूट का उद्घाटन



● राजस्थान दर्शन

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई को यातायात की भीड़ से राहत दिलाने की दिशा में रविवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूनमल्ली-वडापलानी मेट्रो रेल सेवा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री विजय ने एक ही मेट्रो ट्रेन में सफर किया तथा अधिकारियों से परियोजना की प्रगति और संचालन से जुड़ी जानकारी ली। इस मेट्रो सेवा के शुरू होने से चेन्नई के पश्चिमी हिस्सों में आवागमन सुगम होने और सड़क यातायात का दबाव कम करने की उम्मीद है। चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत 118.1 किलोमीटर लंबे नेटवर्क को विकसित किया जा रहा है। इसके पहले चरण में पूनमल्ली से वडापलानी तक 14.6 किलोमीटर का हिस्सा तैयार किया गया है, जिसे रेलवे सुरक्षा संबंधी मंजूरी भी मिल चुकी है।

10 से 40 रुपये तक रहेगा किराया

यात्रियों की सुविधा के लिए मेट्रो का न्यूनतम किराया 10 रुपये और अधिकतम किराया 40 रुपये निर्धारित किया गया है। पूनमल्ली बाईपास से वडापलानी तक यात्रा के लिए 40 रुपये, पूनमल्ली बाईपास से



पोरु जंक्शन तक 30 रुपये और पोरु जंक्शन से वडापलानी तक 30 रुपये किराया तय किया गया है। वहीं, पूनमल्ली से कड्डुपक्कम तक 20 रुपये तथा पूनमल्ली मेट्रो से पूनमल्ली बस स्टैंड तक 10 रुपये किराया निर्धारित किया गया है।

13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास



परियोजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रमों में शामिल होने चेन्नई पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विजय ने उनका स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल, मंत्रियों और अधिकारियों की मौजूदगी भी रही।

मुख्यमंत्री विजय के साथ मेट्रो में सफर कर प्रधानमंत्री ने लिया परियोजना का जायजा, 11 स्टेशनों पर शुरू होगी सेवा; 10 से 40 रुपये तक होगा किराया

तमिलनाडु के इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ताकत देने के लिए 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

11 स्टेशनों पर मिलेगी मेट्रो सेवा

शुरुआती संचालन में मेट्रो ट्रेन 11 स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें पूनमल्ली बाईपास, पूनमल्ली, मुल्लैथोडम, करायंसावादी, कुमानंसावादी, कड्डुपक्कम, अय्यप्पनथंगल, तेलियारकरम, पोरु बाईपास, पोरु जंक्शन और वडापलानी शामिल हैं। निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के कारण छह स्टेशनों पर फिलहाल ट्रेन नहीं रुकेगी। इनमें अलपक्कम, करमबक्कम, वलसरवक्कम, अलवर थिरुनगर, सालिग्रामम वेयरहाउस और सालिग्रामम शामिल हैं। इन स्टेशनों पर सेवाएं निर्माण कार्य पूरा होने के बाद शुरू की जा सकेंगी।

कनेक्टिविटी को मिलेगी मजबूती: पूनमल्ली-वडापलानी मेट्रो सेवा चेन्नई के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे यात्रियों को वैकल्पिक परिवहन सुविधा मिलेगी और शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।



किया। मुख्यमंत्री के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय जल परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है, जिनमें से चार परियोजनाओं का राजस्थान को सीधा लाभ मिलने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखकर विकास योजनाएं तैयार की जाएंगी। पानी, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं के साथ किसानों, युवाओं, महिलाओं, मजदूरों और व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए 'लोकल फॉर वॉकल' की अवधारणा को भी संकल्प पत्र में शामिल किया गया है। उन्होंने



डेयरी क्षेत्र में प्रति लीटर पांच रुपये के अनुदान और महिलाओं के लिए मां योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार समाज के विभिन्न वर्गों की जरूरतों के अनुरूप योजनाओं के क्रियान्वयन पर काम कर रही है।

आतंकवाद की आड़ में सत्ता का खेल!

खैबर पख्तूनख्वा में इमरजेंसी से पाकिस्तान में सियासी भूचाल



● राजस्थान दर्शन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आतंकवाद के बढ़ते खतरे के बीच अब सियासी टकराव भी तेज हो गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की संघीय सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था और प्रांतीय सरकार की कथित नाकामी का हवाला देते हुए आपातकाल और गवर्नर शासन लागू करने का कदम उठाया है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की मंजूरी के बाद यह फैसला पाकिस्तान की राजनीति में नए विवाद का केंद्र बन गया है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिए उठाए गए इस कदम को जहां केंद्र सरकार सुरक्षा की मजबूरी बता रही है, वहीं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इसे राजनीतिक कदम करार देते हुए विरोध का मोर्चा खोल दिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह फैसला पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 232 और 234 के तहत का लिया गया है। संघीय सरकार का आरोप है कि खैबर पख्तूनख्वा में लगातार बढ़ रही आतंकवादी गतिविधियों पर प्रांतीय सरकार प्रभावी नियंत्रण स्थापित नहीं कर पा रही है। गौरतलब है कि इस प्रांत में पीटीआई की सरकार है। ऐसे में केंद्र के इस फैसले ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ-

साथ संघीय ढांचे और प्रांतीय स्वायत्तता को लेकर भी बहस छेड़ दी है। पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान ने आपातकाल लागू करने के फैसले को बड़ी राजनीतिक भूल बताते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का इस्तेमाल राजनीतिक हित साधने या जनता की आवाज दबाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पार्टी का कहना है कि आतंकवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय एकता, सामूहिक रणनीति और सभी सरकारों के बीच समन्वय जरूरी है। पीटीआई ने इस कदम को प्रांत की संवैधानिक शक्तियों को कमजोर करने की कोशिश के रूप में भी पेश किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई संघीय कैबिनेट की बैठक में प्रांत की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, बैठक में प्रांतीय सरकार पर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई से पीछे हटने का आरोप लगाया गया। इसके बाद राष्ट्रपति को संवैधानिक अधिकारों के तहत कार्रवाई की सलाह देने का निर्णय लिया गया। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि प्रांत के लोग अशांति के बजाय शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि चाहते हैं।

रियाद एयरपोर्ट पर हमले से मचा हड़कंप, 300 से अधिक घायल

● राजस्थान दर्शन

रियाद/नई दिल्ली। सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में 12 लोगों की मौत और 300 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों में 11 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। भारतीय दूतावास ने रविवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वह घायलों की स्थिति जानने के लिए स्थानीय प्रशासन और अस्पताल अधिकारियों के संपर्क में है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में बताया कि 10 अक्टूबर को हुए हमले के बाद स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। हमले में 11 भारतीयों के घायल होने की जानकारी मिली है। दूतावास के अधिकारी स्थानीय प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन से संपर्क कर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी जुटा रहे हैं। दूतावास ने कहा कि आगे की जानकारी उपलब्ध होने पर साझा की



जाएगी। विदेश मंत्रालय ने रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाकर किए जा रहे लगातार हमलों की निंदा की है। मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को हुए हमले का उल्लेख करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदन व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। भारत ने स्पष्ट किया कि किए जाने वाले हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें तत्काल रोकना चाहिए।

नवरात्रा स्थापना के साथ हुआ अम्बे माता का श्री घोष



राजस्थान दर्शन

आबूरोड। नवरात्र पर्व के तहत रविवार को शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की गई। वैदिक मंत्रों के साथ हवन में समिधा अर्पित की गई। मां के भक्तों ने पहले दिन शैल पुत्री की पूजा अर्चना की। परिवार के लिए मंगलकामनाएं की गई। श्रद्धालुओं ने उपवास रखा। माताजी के मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। भक्तों ने मां अम्बे के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर शहर के अम्बाजी मंदिर, अग्रवाल धर्मशाला, सांतपुर, आजाद मैदान मे हवन किया गया। नवरात्र पर्व के पहले दिन लोगों ने शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की। पूजा-अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन किया। नौ दिन तक चलने वाले शक्ति पर्व के पहले दिन भक्तों ने शैलपुत्री की अर्चना की। दिनभर मां अम्बे के मंदिर में भक्तों की रैलमपेल रही। सजे पांडाल नौ दिनों तक चलने वाले पर्व के तहत रविवार से शहर की फ्रिजाएँ गुजराती संस्कृति से सराबोर रहेंगी। इसी के तहत विभिन्न स्थानों पर गरवों के पांडाल सज गए हैं। नवरात्र के पहले दिन रैकों कॉलोनी,गुजराती मोहल्ला, गांधीनगर, आबकारी, गांधीपार्क रोड, मित्र मंडल, कुम्हार मोहल्ला, प्रेमनगर सहित ग्रामीण अंचलो में विभिन्न स्थानों पर डांडियों को खनक उठे।

बजरंग दल ने ज़ापन सौंप नवरात्रि के नौ दिनों तक मांस और मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग



राजस्थान दर्शन

आबूरोड। बजरंग दल ने नगर पालिका अध्यक्ष को एक ज़ापन सौंपा है। इसमें नवरात्रि के नौ दिनों तक नगर पालिका क्षेत्र में मांस और मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। संगठन ने कहा नवरात्रि सनातन धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इन नौ दिनों में श्रद्धालु मां दुर्गा की पूजाए व्रत और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। ऐसे में लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए मांस-मछली की बिक्री पर रोक लगाई जाए। सफाई व्यवस्था बनाए रखने की भी अपील की गई। ज़ापन में नगर पालिका प्रशासन से मांग की कि भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नियमों के हिसाब से उचित फैसला लिया जाए। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष अमित जी, मंत्री गोविंद मालवीय, बजरंग दल के संयोजक कौशिक लोहार, सह-संयोजक धर्मेन्द्र पवार और जयदीप गिरी गोस्वामी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्वच्छता पखवाड़ा में 2026 के अंतर्गत रैली निकाल किया जागरूक



राजस्थान दर्शन

आबूरोड। स्वच्छता पखवाड़ा में 2026 के अंतर्गत कॉलोनी एवं रेलवे स्टेशन पर जागरूकता रैली निकाली गई। रेल आवास निवासियों को चार प्रकार के गार्बेज, उन्हें चार प्रकार के डस्टबिन उपयोग करने, उनके सेग्रीकेशन, कंपोस्ट खाद बनाने प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना। इसके लिए जागरूक किया गया। इसके लिए पंपलेट वितरण किए गए। इसमें कॉन्ट्रैक्ट लेबर, स्टेशन क्लीनिंग लेबर, स्टेशन वैंडर्स कॉलोनी सफाई लेबर शामिल रहे।

प्रदेश कांग्रेस से पंचायत राज चुनाव के पर्यवेक्षक विधायक की अध्यक्षता में जिला पोलिटिकल एडवाइज़री कमेटी की बैठक सम्पन्न



राजस्थान दर्शन

पाली। प्रदेश कांग्रेस से पंचायत राज चुनाव के लिए पाली जिले के पर्यवेक्षक विधायक अनिल शर्मा की अध्यक्षता में जिला पोलिटिकल एडवाइज़री कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पंचायत राज चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा कर रणनीति बनाई गई। इस दौरान जिला पर्यवेक्षक अनिल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सरकार से जनता त्रस्त है एवं विकास कार्य ठप्प पड़े हैं। जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा ने कहा की कांग्रेस मजबूती से चुनाव लड़ेगी, सभी ने एकजुटता के साथ कांग्रेस पार्टी को जिताने का संकल्प लिया। यह जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता रफीक चौहान ने बताया कि बैठक में जिला पर्यवेक्षक विधायक अनिल शर्मा, पाली विधायक भीमराज भाटी, जिले के सह प्रभारी श्रवण पटेल, जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह निम्बाड़ा, लोकसभा प्रत्याशी संगीता बेनीवाल, सोजत विधानसभा प्रत्याशी निरंजन आर्य, हरिशंकर मेवाड़ा, प्रदेश महासचिव भुराराम सीरवी, पीसीसी सदस्य महावीरसिंह सुकरलाई, जिला संगठन महासचिव जोगाराम सोलंकी आदि मौजूद रहे।

पाली आस पास महाराजाधिराज अग्रसेन जी के जन्मोत्सव पर जयघोष के साथ निकली शोभायात्रा

मुस्लिम समाज द्वारा अग्रवाल समाज का बहुमान कर दिया कोमी एकता का परिचय

झांकीयो के माध्यम से सामाजिक एकता का दिया संदेश

राजस्थान दर्शन

आबूरोड। श्री अग्रसेन जयंती के तहत आबूरोड अग्रवाल समाज द्वारा भाव शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में समाज के लोगों द्वारा बनाए गई झांकियों से सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में अग्रबन्धु श्री अग्रसेन के जयघोष के साथ बैड बाजो की धुनों पर नाचते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा का शुरु के विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। श्री अग्रवाल समाज आबूरोड के अध्यक्ष सागरमल अग्रवाल ने बताया कि महाराजाधिराज अग्रसेन जी के जन्मोत्सव पर सुबह धर्मशाला में हवन पूजन कर ध्वाजारोहण किया गया उसके बाद महाराजा अग्रसेन कि महाआरती



की गई। वहीं सांय को धर्मशाला परिसर से भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा प्रारंभ होने से पूर्व अग्रवाल समाज के सागरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद, मंत्री शंभूलाल अग्रवाल, मंत्री अनुज गर्ग, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल एवं ऑडिटर शैलेश गोयल, पालिकाध्यक्ष भावना अग्रवाल, पार्षद सुनील अग्रवाल, अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं अग्रवाल क्षेत्रीय सभा के अध्यक्ष डॉ महावीर प्रसाद बंसल अग्रवाल संरक्षक मंडल के उपस्थित पदाधिकारी का साफ 1 पहनकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया गया और विधिवत रूप महाराजाधिराज अग्रसेन जी की पूजा अर्चना, माल्यार्पण, आरती एवं जय जयकार के साथ से शोभायात्रा

सेवा और सहयोग की मिसाल बना सेंट जॉन्स स्कूल

राजस्थान दर्शन

आबूरोड। सेंट जॉन्स स्कूल के विद्यार्थियों ने सामुदायिक सेवा की भावना को साकार करते हुए राजकीय प्राथमिक विद्यालय ट्रंका, देलदर में सेवा एवं सहयोग गतिविधि का आयोजन किया। कक्षा अध्यापिकाओं राखी मेहता एवं सुश्री अनामिका सावलका के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विद्यालय के बच्चों के साथ समय बिताया तथा उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उपयोगी सामग्री वितरित की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को 47 स्टील की धालियाँ, 47 स्ट्रेचनरी किट, 47 बिरकूट और नमकीन के पैकेट, 47 बॉल पेन, 20 लीटर पानी का एक कैंपर तथा 100 कॉपीयाँ प्रदान की गईं। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनमें सहयोग, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था। सेंट जॉन्स स्कूल की प्रधानाचार्या उमा श्याम ने विद्यार्थियों की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सामुदायिक सेवा विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर मानवीय मूल्यों, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व समझने का अवसर



प्रदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षिकाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए ऐसे कार्यों को व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। राजकीय प्राथमिक विद्यालय ट्रंका के प्रधानाध्यापक चुन्नीलाल ने सेंट जॉन्स स्कूल के विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस सहयोग को बच्चों के लिए उपयोगी बताते हुए विद्यालय की इस संवेदनशील एवं सराहनीय पहल की प्रशंसा की। यह सामुदायिक सेवा गतिविधि विद्यार्थियों में सेवाए सहयोग और सामाजिक समरसता के मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास रही। सेंट जॉन्स स्कूलए आबूरोड निरंतर विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ जिम्मेदार एवं संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर ‘नारी चौपाल-सशक्त बालिका, सुरक्षित समाज’ सप्ताह का शुभारंभ

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाकर बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और समानता का दिया संदेश

राजस्थान दर्शन

जालोर। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 11 अक्टूबर को महिला अधिकारिता विभाग, जालोर की ओर से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। रामदेव कॉलोनी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र संख्या-1 पर आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से 'नारी चौपाल-सशक्त बालिका, सुरक्षित समाज' सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाई गई। महिला अधिकारिता विभाग, जालोर के सहायक निदेशक लक्ष्मणसिंह राजपुरोहित के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम का संचालन विभाग की पीएसएसके में कार्यरत विधि परामर्शदाता तनु राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को बेटियों को शिक्षित करने, उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने तथा समाज में उनके प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर 'एक पेड़ बेटी के नाम' पहल के तहत पौधारोपण भी किया



गया। इसके माध्यम से बेटियों के महत्व, उनके उज्ज्वल भविष्य तथा उनके प्रति सम्मान और संरक्षण की भावना को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने बेटियों को समाज की महत्वपूर्ण धरोहर बताते हुए उनकी शिक्षा, सुरक्षा, समानता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा मीणा, आंगनवाड़ी सहायिका, वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर किरण एवं प्रवीणा सहित अन्य महिलाएं और बालिकाएं उपस्थित रहीं। सभी ने बेटियों को आगे बढ़ाने, उन्हें समान अधिकार दिलाने तथा लिंग भेदभाव को समाप्त करने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना, बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

बागरा में समारोहपूर्वक मनाई अग्रसेन जयंती, विभिन्न प्रतियोगिताओं में समाजबंधुओं ने लिया भाग

धार्मिक कार्यक्रमों के साथ रंग भरो, मेहंदी, म्यूजिकल चेयर और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं हुई आयोजित

राजस्थान दर्शन

जालोर (देवेन्द्र शर्मा)। निकटवर्ती बागरा कस्बे में रविवार को अग्रवाल समाज बागरा के तत्वावधान में स्टेशन रोड स्थित जलंधरनाथ महादेव मंदिर परिसर में महाराजा अग्रसेन जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके बाद विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। समारोह में बागरा सहित



आसपास के गांवों से आए अग्रवाल समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जयंती समारोह के तहत दोघर में बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं

रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें समाजबंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंग भरो प्रतियोगिता को दो वर्गों में



विभिन्न सामाजिक संगठनों, समाजों व स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा स्वागत द्वार लगाए गए साथ ही 2 दर्जन से अधिक स्थानों पर विभिन्न समाज द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं, विभिन्न संगठनों, समितियों द्वारा अग्रवाल समाज एवं अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों का साफ 1, माला, शॉल आदि से सम्मान किया गया। सम्मान बहुमान पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सागरमल अग्रवाल व अन्य पदाधिकारियों द्वारा इनका आभार व्यक्त किया एवं कृतज्ञता व्यक्त की। मुस्लिम समाज ने स्वागत कर दिया कोमी एकता का परिचय शहर के मुख्य जगदीश चौराहे पर मुस्लिम समाज के सदर सलीम खान, नायब सदरगरीब मोहम्मद, आजाद खान, सचिव

सौकत नागोरी, सह सचिव लड़क अहमद, कोषाध्यक्ष सलीम भाई घोसी, सह कोषाध्यक्ष अख्तर अली वोहरा, शरीफ भाई रंगरेज, यूनूस भाई चन्देजा, रफाीक मोयल, शमशेर भाई, एडवोकेट रईस कुरैशी, सलीम कायमखानी, रुस्तम भाई, इब्राहिम मनिहार, साजिद जाजम आदि ने अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सागरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद, मंत्री शंभूलाल अग्रवाल, मंत्री अनुज गर्ग, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल एवं ऑडिटर शैलेश गोयल, पालिकाध्यक्ष भावना अग्रवाल, पार्षद सुनील अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया और सामाजिक एवं कोमी एकता की मिसाल पेश की।

म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में मिहिर, अंकित और महावीर ने मारी बाजी

तीन आयु वर्गों में प्रतिभागियों ने दिखाया उत्साह, विजेताओं को किया सम्मानित

राजस्थान दर्शन

आबूरोड। श्री अग्रवाल समाज की ओर से आयोजित म्यूजिकल चेयर दौड़ प्रतियोगिता में तीन आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के संयोजक दीपक ऐरन रहे, जबकि मंच संचालन नरेंद्र भाई अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुनील अंबालाल एवं सुनील बनवारी लाल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि निलेश राजेंद्र, मुकेश दुर्गा प्रसाद, जिननेश जयनारायण, सुरेंद्र बनवारी लाल तथा जितेंद्र रामलाल राय मौजूद रहे। प्रतियोगिता के प्रथम वर्ग 18 से 30 वर्ष में मिहिर अग्रवाल पुत्र महेंद्र अग्रवाल ने प्रथम तथा कृष्ण अग्रवाल पुत्र रितेश अग्रवाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दूसरे वर्ग 30 से 45 वर्षेधद में अंकित अग्रवाल पुत्र सुरेश अग्रवाल प्रथम तथा रोहित अग्रवाल पुत्र महेंद्र



अग्रवाल द्वितीय रहे। तीसरे वर्ग 45 वर्ष से अधिकव्रद में महावीर अग्रवाल पुत्र लालचंद ने प्रथम और सुनील अग्रवाल पुत्र अंबालाल अग्रवाल ने द्वितीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुकेश राजाराम, अरुण, दिनेश गर्ग, मनोज पदमचंद, योगेश, रमेश चंद, नरेश, ओमप्रकाश, योगेश अंबालाल, विवेक गुप्ता एवं भारत अग्रवाल ने सहयोग किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

जालोर की प्रांजल गहलोत ने राज्य स्तरीय एथलेटिक्स में जीते दो पदक

1500 मीटर में कांस्य और 3000 मीटर में रजत पदक जीतकर बढ़ाया जिले का गौरव

राजस्थान दर्शन

जालोर (देवेन्द्र शर्मा)। जालोर की प्रतिभाशाली एथलीट प्रांजल गहलोत ने 70वें राज्य स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। 17 वर्ष बालिका वर्ग की इस प्रतियोगिता में प्रांजल ने 1500 मीटर दौड़ में कांस्य पदक तथा 3000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। स्वर्णगिरी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के प्रशिक्षक पुष्पेंद्र परमार ने बताया कि प्रांजल गहलोत पुत्री मनोहरसिंह गहलोत ने डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। दो स्पर्धाओं में पदक जीतने से जालोर के खेल जगत में खुरी की लहर है। वर्तमान में प्रांजल गहलोत अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक संदीप पुंडीर के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास कर रही है। उनकी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण को देखते हुए भविष्य में उनसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर



बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। प्रांजल की इस उपलब्धि पर उनके पिता मनोहरसिंह गहलोत एवं माता शारदा गहलोत ने खुशी जाहिर करते हुए इसे गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने प्रांजल के उज्ज्वल खेल भविष्य की कामना की। प्रांजल की इस सफलता से जालोर जिले के उमरते खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। उनकी उपलब्धि ने साबित किया है कि उचित मार्गदर्शन, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प से खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की जा सकती है।

महाराज अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल समाज की शोभायात्रा का नगर निगम परिवार ने किया भव्य स्वागत



राजस्थान दर्शन

पाली । महाराज अग्रसेन जी की जयंती के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज द्वारा निकाली गई, भव्य शोभायात्रा का सर्राफा बाजार में नगर निगम परिवार की ओर से पुष्पवर्षा कर आत्मीयता के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर नगर निगम महापौर नमिता विकास बुबकिया ने समाज के इस गौरवमयी आयोजन की सराहना करते हुए आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की परंपरा को सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। नगर निगम परिवार ने महाराज अग्रसेन जी के आदर्श एवं शिक्षाओं का स्मरण करते हुए कहा कि उनके विचार सदैव समाज कल्याण, समानता, सहयोग और जनसेवा की प्रेरणा देते रहेंगे। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के साथ ही समाज में एकता और सद्भाव का संदेश देते हैं। इस अवसर अनेक पार्षद व निगम परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

बाली में श्री अंबे मां मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव धूमधाम से मनाया हवन-पूजन के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न, मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रहे मौजूद।



राजस्थान दर्शन

बाली। गोडवाड़ की धन्य धरा बाली नगर में श्री हनुमान बालाजी मंदिर परिसर स्थित श्री अंबे मां मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा स्थापना एवं महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। मंदिर समिति के अनुसार, रविवार को परिसर में हवन-पूजन का आयोजन किया गया। धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुए अनुष्ठान में मां अंबे की आराधना कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेकर मां अंबे के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। आयोजन में मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। इस दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष गोविंद लोहार, दिनेश चौधरी, बालू भाई, मदन लोहार, तिलक सुधार, सोहन प्रजापत, छगन सोनी, भंकरलाल, कैलाश सहित श्री हनुमान बालाजी मंदिर समिति, बाली के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आठ दिन बाद बहाल होगा जोधपुर-इंदौर एक्सप्रेस का संचालन

रेक की अनुपलब्धता के कारण इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस 12 अक्टूबर को नहीं चलेगी

राजस्थान दर्शन

पाली। जोधपुर-इंदौर एक्सप्रेस का संचालन आठ दिन तक रह रहने के बाद सोमवार से बहाल किया जा रहा है। हालांकि रेक की अनुपलब्धता के कारण 12 अक्टूबर को इंदौर से जोधपुर आने वाली ट्रेन संख्या 14802 का संचालन एक टिप रह रहेगा। जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि अजमेर मंडल के अजमेर-चित्तौड़गढ़ रेलखंड पर झारवासा,बांदनवाड़ा और सिंगवल स्टेशनों के बीच पेच दोहराकरण कार्य के चलते ट्रेन संख्या 14801/14802 जोधपुर-इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस की दोनों दिशाओं की कूल आठ टिप 4 से 11 अक्टूबर तक रह की गई थीं। निधारित अवधि में कार्य पूरा होने के बाद ट्रेन सेवाएं बहाल की जा रही हैं। हालांकि, रेक की अनुपलब्धता के कारण सोमवार,12 अक्टूबर को ट्रेन संख्या 14802 इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस रह रहेगी।

छह माह में 9.97 करोड़ यात्रियों ने की रेल यात्रा,रेलवे की आय 2044 करोड़ रुपए ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे लगाए

राजस्थान दर्शन

पाली/जोधपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे की रेलसेवाओं में यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ यात्री आय में भी इजाफा हुआ है। अप्रैल से सितंबर 2026 तक प्रथम छमाही में करीब 9.97 करोड़ यात्रियों ने रेल यात्रा की। यह संख्या पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 6.22 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान यात्री परिवहन से रेलवे को करीब 2044 करोड़ रुपए की आय हुई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 1811 करोड़ रुपए की आय हुई थी। इस तरह यात्री आय में करीब 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से यात्रियों की बढ़ती मांग और त्योहारों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलसेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। नियमित ट्रेनों में जरूरत के अनुसार अतिरिक्त डिब्बे लगाए जा रहे हैं। वहीं,त्योहारों और विशेष अवसरों पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त चिकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। रेलवे के इन प्रयासों का उद्देश्य ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप क्षमता उपलब्ध कराना और यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाना है।

सितंबर में 1.75 करोड़ यात्रियों ने किया सफर

सितंबर 2026 में उत्तर पश्चिम रेलवे की रेलसेवाओं से करीब 1.75 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की। इस दौरान यात्री परिवहन से लगभग 396 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई,जो पिछले वर्ष सितंबर की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। एक माह में यात्री आय में हुई यह वृद्धि रेलसेवाओं से होने वाली कमाई में बढ़ोतरी को दर्शाती है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अभित सुदर्शन के अनुसार, यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए नई रेलसेवाओं का संचालन, ट्रेनों के फेरों में वृद्धि और यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। त्योहारों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विशेष रेलसेवाएं संचालित करने के साथ नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे भी लगाए जा रहे हैं। रेलवे का प्रयास है कि यात्रियों को सुरक्षित,आरामदायक और समरब्ध यात्रा उपलब्ध कराई जा सके।

रेलकर्मियों का हुनर: जो अब तक था कबाड़,वह बन गया नायाब कलाकृति

भगत की कोठी डीजल शेड और मेड़ता रोड डेम्ू शेड के कर्मचारियों की अभिनव पहल

अनुपयोगी पुर्जों से गद्दीं आकर्षक कलाकृतियां,महाप्रबंधक ने भी सराहा नवाचार

राजस्थान दर्शन

पाली/जोधपुर। जिन पुराने पुर्जों को अनुपयोगी मानकर अलग कर दिया जाता है,उन्हीं से रेलवे कर्मचारियों ने कला की नई दुनिया रच दी। रिपंग,बेयरिंग,नट-बोल्ट और दूसरे पुराने पुर्जों को जोड़कर कहीं शेर और चिंकारा आकार ले रहे हैं,तो कहीं रोबोट,हंस और भारत का मानचित्र गर्व का अहसास करवाता है। तकनीकी हुनर और रचनात्मक सोच का यह संगम स्वच्छता,पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के सदुपयोग का संदेश दे रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में भगत की कोठी डीजल शेड और मेड़ता रोड डेम्ू शेड के कर्मचारियों ने 'वेस्ट टू आर्ट' के जरिए कबाड़ को कलाकृतियों में बदलने की अभिनव पहल की है। शुक्रवार को रेलवे स्टेशन पर आयोजित

पाली में 51वीं श्री रामलीला का मंच पूजन, निर्माण कार्य शुरू



राजस्थान दर्शन

पाली। श्री रामलीला कमेटी एवं नगर निगम पाली के संयुक्त तत्वावधान में दशहरा पर्व के अवसर पर नौ दिवसीय 51वीं श्री रामलीला का आयोजन किया जाएगा। रामलीला की तैयारियों के तहत विधि-विधान एवं ढोल-ताशों के साथ कमेटी अध्यक्ष द्वारा मंच पूजन किया गया। इसके साथ ही मंच निर्माण का कार्य भी प्रारंभ हो गया। श्री रामलीला कमेटी के प्रवक्ता पवन पाण्डेय ने बताया कि इस वर्ष पाली में 51वीं श्री रामलीला का आयोजन होगा। रामलीला के मंचन को लेकर पिछले 26 दिनों से रामदेव रोड स्थित कुम्हारों का बास, श्री दयानन्द बगेची में स्थानीय कलाकारों द्वारा नियमित पूर्वाभ्यास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि

अग्रवाल समाज ने धूमधाम से मनाई महाराजा अग्रसेन की 5152 वी जयंती, प्रतिभाओं का किया सम्मान

नवनिर्वाचित पालिका उपाध्यक्ष व पार्षद समाज की दो बहुओं का बहुमान, नन्हें-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में दिखाया हुनर

राजस्थान दर्शन

रानी। अग्रवाल समाज समिति रानी के तत्वावधान में नगर के सायर महाराज अग्रसेन का 5152वीं जयंती धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सामाजिक एकता, संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखने का संदेश दिया।जयंती समारोह के दौरान समाज के नवनिर्वाचित पालिका उपाध्यक्ष शैलू अग्रवाल व पार्षद प्रिया अग्रवाल का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सम्मान समारोह के माध्यम से समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का उत्साहवर्धन किया गया।समारोह में समाज के नन्हें-मुन्ने बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल बनाया । इस मौके पर समाज के वार्षिक चुनाव किये गए जिनमे सर्वसम्मति से जगदीश अग्रवाल को समाज का अध्यक्ष व



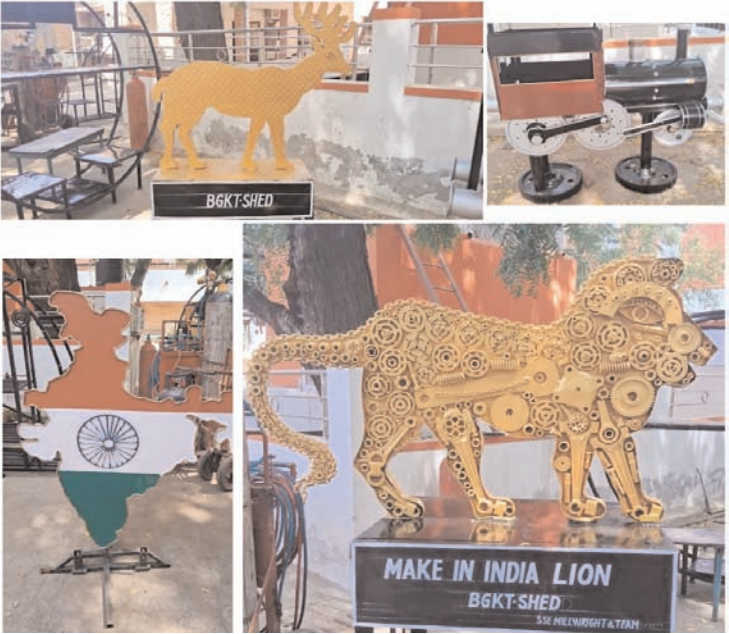
मनीष सिंघल को सचिव चुना गया समाज के उपाध्यक्ष सुनील गोयल,मोहित अग्रवाल कोषाध्यक्ष कैलाश गोयल बने नवनिर्युक्त अध्यक्ष व सचिव का पूर्व अध्यक्ष जुगलकिशोर अग्रवाल व सचिव राजेंद्र गोयल ने माला साफ से बहुमान किया । समाज में हुई प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों को समाज की ओर से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को आत्मसात करना, समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करना तथा नई पीढ़ी को सामाजिक संस्कारों एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना रहा। समारोह में समाजबंधुओं की सहभागिता से आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिताओं का आयोजन भव्यप्रकाश निहकर के सानिध्य में किया गया।

प्रत्याशियों को नामांकन प्रक्रिया और जरूरी दस्तावेजों की दी जानकारी

प्रबोधन प्रशिक्षण शिविर में योग्यता-अयोग्यता, शौचालय घोषणा पत्र और प्रतिभूति राशि सहित विभिन्न नियमों पर किया मार्गदर्शन

राजस्थान दर्शन

पाली। पंचायती राज आम चुनाव 2026 को लेकर निर्वाचन विभाग की ओर से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की सुविधा के लिए रविवार को पंचायत समिति परिसर में प्रबोधन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ब्लॉक लेवल मास्टर ट्रेनर्स (बीएलएमटी) ने प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रक्रिया, नामांकन पत्र भरने की विधि, आवश्यक दस्तावेजों तथा चुनाव से जुड़े नियमों एवं प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत चुनाव) एवं उपखंड अधिकारी पाली विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य प्रत्याशियों को नामांकन प्रक्रिया की सही



स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कर्मचारियों की रचनात्मकता

की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे अभिनव पहल बताया। भगत की कोठी डीजल शेड के तकनीकी कर्मचारियों ने रेल इंजनों के अनुपयोगी स्पेयर पार्ट्स से 'मेक इन इंडिया'

फालना में 70वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रति योगिता 17/19 वर्षीय छात्र का तीसरा दिन



ट्रैक पर रफ्तार का तुफान:100 मीटर रेस के फाइनल में चमके युवा एथलीट

राजस्थान दर्शन

फालना। इम्मानुअल मिशन उच्च माध्यमिक विद्यालय, फालना के तत्वाधान में आयोजित हो रही 70वीं जिला स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता 17/19 वर्ष छात्र के तीसरे दिन एसपीयू कालेज गांउड में ट्रैक एंड फील्ड की विभिन्न रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। प्रतियोगिता के मीडिया प्रमारी प्रकाश मेवाड़ा ने बताया की तीसरे दिन 17 और 19 वर्ष की इवेट्स १5 कि.मी. वॉक (फैदल चाल) फाइनल?1500 मी. रेस सेमीफाइनल्स?100 मी. फाइनल ?आला फेंक फाइनल?400 मी. रेस सेमी फाइनल?तस्तरी फेंक फाइनल?200 मी. रेस फाइनल ?त्रिकूद (हॉप-स्टेप एण्ड जम्प) फाइनल?4100 रिले रेस सेमी फाइनल (4100) ?4400 रिले रेस फाइनल(4400) इवेट्स आयोजित की

पंचायत चुनाव 2026: बाली में प्रत्याशियों को नाम निर्देशन प्रक्रिया का दिया प्रशिक्षण



पंचायत समिति सभागार में आयोजित कार्यशाला में उमड़े प्रत्याशी, दो पारियों में हुआ प्रशिक्षण।

राजस्थान दर्शन

बाली। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 के तहत बाली में प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशाला आयोजित की गई। पंचायत समिति सभागार में आयोजित कार्यशाला में जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के प्रत्याशियों को नाम निर्देशन प्रक्रिया से संबंधित प्रशिक्षण

यात्रियों के कैमरों में कैद हुई कला

रेलवे स्टेशन पर दो-तीन दिनों तक रही यह प्रदर्शनी यात्रियों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। हजारों यात्रियों ने कलाकृतियों को निहारा और उनकी नायाब तस्वीरों को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर यादगार बना लिया। कबाड़ से तैयार इन आकृतियों ने यात्रियों को न केवल आकर्षित किया, बल्कि यह सोचने का अवसर भी दिया कि अनुपयोगी समझी जाने वाली वस्तुओं का रचनात्मक इस्तेमाल किस तरह किया जा सकता है।

स्वच्छता को मिला सृजन का रंग

जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार अनुपयोगी रेलवे पुर्जों से कलाकृतियां तैयार करने से स्क्रेप का रचनात्मक उपयोग हो रहा है और रेल परिसरों के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा मिल रहा है। 'स्वच्छता से समृद्धि' की भावना से जुड़ी यह पहल बताती है कि स्वच्छता केवल कचरा हटाने तक सीमित नहीं है। अपशिष्ट का बेहतर प्रबंधन और उपलब्ध संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग भी इसका अहम हिस्सा है। रेलवे कर्मचारियों ने अपने हुनर से यह संदेश दिया है कि नई सोच और सृजनशीलता के सहारे कबाड़ को भी कला,आकर्षण और प्रेरणा का माध्यम बनाया जा सकता है।

का प्रतीक शेर, पश्चिमी राजस्थान का चिंकारा,रोबोट,स्टीम लोको ट्रॉली,हंस और भारत का नक्शा तैयार किया है। इन कलाकृतियों में भारत के नक्शे पर बनाई गई मां भारती की प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसे देखते ही मन में देशभक्ति,वीरता और श्रद्धा का भाव जाग उठता है। अनुपयोगी पुर्जों से साकार हुई यह कलाकृति तकनीकी दक्षता

के साथ राष्ट्रप्रेम की भावना को भी अभिव्यक्त करती है। मेड़ता रोड स्थित डेम्ू शेड के कर्मचारियों ने भी अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए इस पहल में योगदान दिया है। दोनों शेड के कर्मचारियों की यह कोशिश बताती है कि तकनीकी कार्यों के दौरान अनुपयोगी हो चुके पुर्जों को भी कल्पनाशीलता के सहारे आकर्षक स्वरूप दिया जा सकता है।



गयी। सबसे रोमांचक 100 मीटर 17 वर्ष रेस में प्रथम स्थान पर लक्ष्य शर्मा पाली, द्वितीय स्थान पर गौरव फालना व 19 वर्ष में प्रथम स्थान विपुल कुमार मालवीय लाटाड़ा, द्वितीय सुनील सुमेरपुर व तृतीय स्थान नील कोठारी वरकाणा ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का समापन समारोह कल आयोजित किया जायेगा। प्रतियोगिता संयोजक इम्मानुएल मिशन स्कूल फालना के प्रिंसिपल के.वी.टी मैथ्यू, जुबीन सर, इम्मानुएल मिशन स्कूल फालना स्टॉफ, पर्यवेक्षक श्रीगोपाल पारीक,समाज सेवी अमित मेहता, बाली ब्लॉक खेल प्रमारी वीरेंद्र सिंह राठौड, प्रधानाचार्य मदनलाल परमार, डॉ. निर्मल परिहार, सुरेन्द्र सिंह राठौड, डॉ.प्रवीण वैष्णव, गजेंद्र सिंह सिसौदिया, विवेक सिंह, भगवान लाल, निर्णायक दिनेश वैष्णव, सज्जन सिंह राठौड, विक्रम सिंह चौधरी, अभिमन्यु सिंह दहिया, नरेन्द्र सिंह देवडा, गोविंद सिंह राणावत, जितेन्द्र सिंह सोनीगरा, विजय सिंह राठौड, प्रदीप सिंह,राजेन्द्र सिंह राणावत,अमृत लाल, मोहम्मद हनीफ, कार्यालय स्टॉफ प्रकाश बावल,प्रवीण वर्मा, नरेंद्र भाटी, बाबूलाल चौधरी,तलाराम चौधरी, गणेश राम, गणपत लाल, किरण चौहान, ताराराम वर्मा, प्रकाश चौधरी, विनोद परमार आदि उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव 2026: बाली में प्रत्याशियों को नाम निर्देशन प्रक्रिया का दिया प्रशिक्षण



दिया गया। कार्यशाला में प्रत्याशियों की भारी भीड़ उमड़ी। प्रशिक्षणार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण प्रशिक्षण दो पारियों में आयोजित किया गया, ताकि सभी प्रत्याशियों को नाम निर्देशन प्रक्रिया की आवश्यक जानकारी दी जा सके। इस दौरान बाली उपखंड अधिकारी दिनेश कुमार विश्‍नोई सहित प्रशिक्षकों ने प्रत्याशियों को चुनाव प्रक्रिया एवं नाम निर्देशन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। कार्यशाला में जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के प्रत्याशी मौजूद रहे। कार्यशाला का उद्देश्य प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी देकर नामांकन संबंधी आवश्यक औपचारिकताओं से अवगत कराना तथा चुनाव प्रक्रिया को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग करना रहा।

ब्रज भूमि में नवरात्र और देवी पूजन

● डॉ शुभदा पांडेय

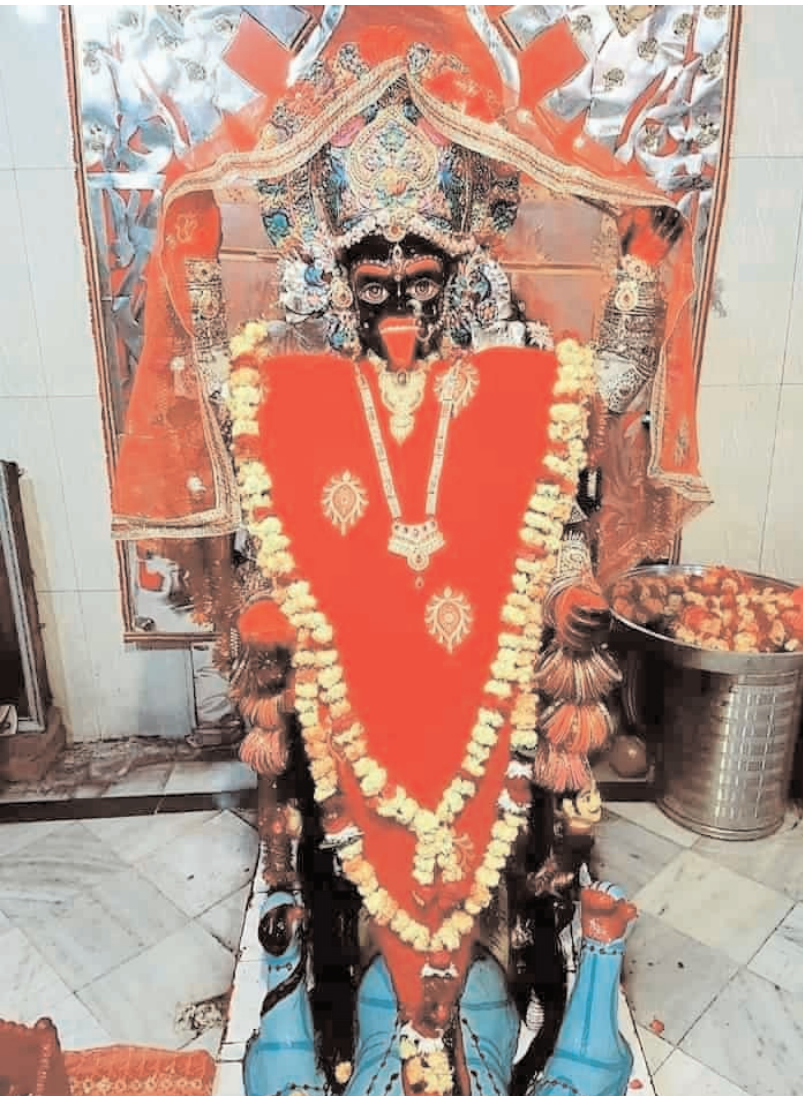
ब्रज मंडल कृष्ण-भक्ति साधना का प्रमुख केंद्र है, क्यों कि यहाँ श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा है। सारे विश्व के लोग इसी लालसा से मथुरा-वृंदावन साल भर आते हैं, लेकिन विडम्बना देखिए कि इस भूमि पर प्रवेश करते ही 'राधे राधे 'आरंभ हो जाता है।चतुर्विद राधा रानी का ही महिमामंडन होता रहता है।मार्ग से लेकर मंदिर तक, वन से लेकर वशीवट तक लता कुंज से लेकर ललित कलाओं तक, यमुना से लेकर जन्मभूमि तक बस ' राधे राधे '।इस तरह यह संपूर्ण क्षेत्र आधराश्रित की उपासना पर आस्था, विश्वास और आग्रह रखती है। ब्रजभूमि को मूल रूप से राधा- कृष्ण के प्रेम- भक्ति का आधार माना जाता है।लेकिन इसी भूमि की आध्यात्मिक विरासत में शक्ति निष्ठा की एक गहरी प्राचीन परंपरा का निर्वहन देखा जा सकता है।यहाँ भक्ति के स्वर में शक्ति उपासना का भी धरोहर विराजमान है।नवरात्र आते ही देवी मंदिरों में भक्तों की निष्ठा देखते बनती है।घर-घर घट स्थापना इस बात के प्रमाण हैं कि यहाँ की साँस्कृतिक चेतना भी जागृत है, जहाँ शीलता, शौर्य और समता को एक साथ साकार किया जाता है। ब्रज में देवी केवल युद्ध विजयिनी या शत्रुनाशिनी न होकर कुलदेवी, ग्रामदेवी, और जीवन संरक्षिका के रूप में भी देखा जा सकता है। यहाँ पथवारी देवी, शीतला माता की पूजा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ब्रज के लोकगीतों, कथाओं , घर के मांगलिक अवसरों पर इनका विशेष वर्णन मिलता है। छटीकरा का प्रसिद्ध दुर्गाधाम बहुत लोकप्रिय है।मथुरा में महाविद्या देवी मंदिर की अटूट आस्था है।सुख, समृद्धि, सुकया और विद्या की अधिष्ठात्री माँ की स्थापना कृष्णकालीन मानी जाती है।नंदबाबा और वासुदेव जी की कुलदेवी हैं महाविद्या माता। कृष्ण, बलराम आदि का मुंजुन संस्कार यहीं हुआ था।पाण्डवों के अज्ञातवास की कथाएँ भी यहाँ से जुड़ी हुई हैं। इनका प्रमुख दिन मंगलवार और रविवार है। इस दिन दीपदान किया जाता है।इस मंदिर का जीर्णोद्धार शिवाजी महाराज ने करवाया था। ब्रज में सिद्धपीठ का कल्यायनी देवी का मंदिर भी सबकी निष्ठा का केंद्र है।इसकी गणना 51 पीठों में एक सिद्धपीठ के रूप में की गई है। इनका मंत्र है- 'कल्यायनी महामाये महायोगिन्यधीश्वरी, नंदगोप सुतम् देव पत में कुरुते नमः' जो भागवत पुराण में वर्णित है।यहाँ युवक- युवतियों की सुंदर, सुशील, सृयोग्य वर की कामनाएँ पूरी होती हैं। आगरा के इंद्रपुरी क्षेत्र में सतोगुणी माँ का मंदिर विख्यात है। ब्रज में कृष्णकाल में स्वयं भगवती का अवतरण हुआ था, जो कंस



के हाथ से छूटकर विंध्याचली कहलाई। इसी तरह बेसवों के पूठा देवी का मंदिर हर सोमवार को जगमगा जाता है। मेला लगता है और बहुत दूर- दूर से श्रद्धालु आकर वंदना करते हैं। आगरा और आसपास के श्रद्धालुओं में राजस्थान की कैला देवी के प्रति अनन्य श्रद्धा है।लोग पैदल व समूह में गाते-बजाते, झूंडा लिए, हफ्तों पहले नंगे पैर निकल पड़ते हैं। रास्ते में जगह-जगह उनके सम्मान के टेंट सजे रहते हैं। भोजन-पानी, आराम की भरपूर व्यवस्था रहती है। ब्रज में इस प्राचीन परंपरा के अंतर्गत वैष्णव धर्मावलंबी सरस्वती , लक्ष्मी के भी पूजा का विधान है। यहाँ वैष्णव पूजा का विधान होने के बावजूद, प्रत्येक मांगलिक कार्य में गौरी पूजन की परंपरा रही है।देश के 108 पीठों का उल्लेख करते हुए महर्षि वेदव्यास ने मथुरा को देवकी पीठ तथा वृंदावन को राधा पीठ बताया है। पुराणों के अनुसार मथुरा में कंकाली मंदिर और चामुंडा देवी मंदिर अंबिका वन में हुआ करता था। जिन प्रमुख देवियों के नाम से यहाँ मंदिर उपलब्ध हैं - चंडी, चामुंडा, पातालेश्वी, पथवारी, मसानी, बगलामुखी, योगमाया चर्चिका देवी आदि। वासुदेव शरण अग्रवाल के अनुसार मौर्य- शुंग के समय बौद्ध, हिंदू, व जैन तीनों ही धर्म प्रचलन में थे। मथुरा में खुदाई के दरम्यान षष्ठी देवी की प्रतिमा प्राप्त हुई है। बटेसर के राजमाता मंदिर की भी बड़ी महिमा है। यहाँ विचरण करते हुए मोरों को देख कर मन प्रफुल्लित हो जाता है। राजा पुरसेन के काल में मंदिर की स्थापना कराई गई थी। राजपरिवार की रानियाँ प्रतिदिन यहाँ आकर पूजा-पाठ करती थीं। इसी से इसका नाम राजमाता मंदिर पड़ गया। आसपास नौ देवियों की छोटी- छोटी प्रतिमाएँ सुशोभित हैं। राजमाता मंदिर में सिक्का निपकाने की अनुठी मान्यता है। यहाँ के लोगों के आस्था का केंद्र यह मंदिर साँस्कृतिक धरोहर

और लोकविश्वास की विरासत है। ब्रज में हर गाँव की अपनी देवी भी होती है। इन्हें ग्राम देवी कहा जाता है। फिरोजाबाद की कैला देवी, मैनपुरी की शीतला माता मंदिर का बहुत नाम है। इसे चौहान वंश के राजाओं में से 11 वें राजा ने बनवाया था। इनका नाम जगत मणि देव था, जिन्होंने 1478 में इसकी स्थापना की। नवरात्र के नौ दिन हमारी त्रिगुणी तत्वों (तमस, राजस और सत्व) के आधार पर बाँटी गई है। तीनों गुणों से युक्त होने पर ही जीव अपना अस्तित्व बना पाता है। तमस का अर्थ है निष्क्रियता, आलस्य और कुत्सित विचार, राजस का आशय है, सक्रियता और जोश। सत्व का अर्थ होता है- संकुचित सीमाओं का हनन, आध्यात्मिक उन्नयन। पृथ्वी को तमस का, सूर्य को राजस का और चंद्रमा को सत्व का प्रतीक माना गया है। जो लोग अधिकार, सत्ता, अमरत्व, व शक्ति और दूसरों के पराजय की कामना साम दाम दंड भेद किसी भी रूप में करते हैं ,वे तामसी पूजन पर विश्वास रखते हैं। जैसे काली पूजन, पृथ्वी पूजन आदि। जो लोग धन- दौलत, ऐश्वर्य, भौतिक वस्तुओं की कामना करते हैं, वे राजसी उपासक होते हैं। इनके आराध्य लक्ष्मी और सूर्य देवता होते हैं। जो साधक ज्ञान, चेतना, उत्कर्ष, सबका कल्याण और नश्वर शरीर की सीमाओं से ऊपर उठकर आध्यात्मिक चिंतन में उन्मुख होते हैं, वे सत्व के पुजारी होते हैं, इनकी आराध्या सरस्वती और चंद्रमा हैं। नवरात्र की प्रतिपदा नवीन संभावनाएँ लेकर आती है।धर्मविग्रह श्रीराम के युद्ध- संकल्प के कारण अश्विन मास बहुत सिद्धिप्रदाता और मांगलिक माना जाता है। यह शक्ति अर्चना सात्विकता के अनुष्ठान का पर्व है। नवरात्र ब्रज में मूर्ति बैठाने की प्रथा नहीं थी , घट अवश्य बैठाने जाते हैं। इसके लिए मिट्टी के घट का प्रयोग किया जाता है, जो वोकर घट सजाया जाता है। यहाँ देवी की पिंडियों पर जल या दूध मिश्रित जल चढ़ाने का भी रिवाज है। भजन मंडली का गायन, रतजगा आदि के अलावा महिलाओं की भी अपनी मंडली होती है, गाजे-बाजे के साथ समूह गायन करती हैं, मूर्ति स्थापित नहीं होते किंतु किसी- किसी की मनोती पूरी होने पर , आजकल मूर्ति भी बैठाई जाती है और फिर विसर्जन कर दिया जाता है। चौँक यह अश्विन शुक्ल का पहला दिन प्रथमा होने के कारण प्रतिपदा कहलाया। यह सर्वमान्य मुहूर्त में माना जाता है, इस दिन कोई भी मांगलिक कार्य आरंभ किया जा सकता है।गृह प्रांगण, भूमि पूजन, मकान, दुकान, वाहन, स्वर्ण आदि का क्रय- विक्रय आदि किया जाता है। शरद श्रुतु में आने से इसका सौंदर्य और भी मनोहर लगता है। यह शारदीय पूजा के नाम

से भी जाना जाता है। इसे ब्रज ही नहीं, देश के अन्य भूभागों में भी अलग-अलग नामों से मनाया जाता है।महाराष्ट्र और गोवा में , दक्षिण के कर्नाटक, तेलंगाना क्षेत्र और आंध्रप्रदेश में के रूप में भी मनाया जाता है। श्रीराम ने भी रावण-युद्ध से पहले दुर्गा जी की विधिवत पूजा-अर्चना की थी और दशमी को विजय प्राप्त कर सभी ने 'विजया दशमी' मनाई थी। बंगाल में दशमी को परस्पर ' शुभ विजया ' बोलने की मांगलिक प्रथा है। आगरा की चामुंडा देवी की ख्याति ब्रिटिश काल से चली आ रही है। यह मंदिर राजा मंडी रेलवे-स्टेशन के प्लेटफार्म पर स्थित है।यह लगभग 350 वर्ष पुराना है। मान्यता है कि इस मंदिर की प्रतिमा स्वंबू है और यह जागृत शक्तिपीठ है। रेल की पटरियों को घुमा कर अंग्रेजों को ले जाना पड़ा। मूर्ति टस से मस नहीं हुई। लोग पीढ़ियों से इसकी पूजा करते आ रहे हैं। क्षेत्रीय लोग बताते हैं, मंदिर के स्थान पर पहले टीला था, मिट्टी हटते ही मूर्ति प्रगट हो गई। पहले दिन से नौ दिन तक रोज पूजन, अर्चन, आरती, संध्या, धूनी आदि नियमित होती है। फूलों से सजा परिसर फूल बँगला लगता है। भंडारे का आयोजन तो जगह-जगह होता है। इस मंदिर के महंत वीरेंद्रानंद ब्रह्मचारी जी हैं। स्त्रियों सुहाग और श्रृंगार का सामान चढ़ा कर धन्य समझती हैं। प्लेटफार्म से गुजरने वाले यात्री भी अवश्य माथा टेकते हैं। इसी तरह नरीसेमरी देवी का मंदिर बहुत सिद्ध स्थान है, जो मथुरा और कोसी के बीच पड़ता है। यहाँ वैसे तो बारह महीने भीड़ रहती है। पर नवरात्र में तो मेला जैसा लगा रहता है। इसे नागरकोट की देवी का अवतरण मानते हैं। आगरा के एक देवी भक्त धानू भगत प्रति वर्ष बड़े निष्ठा से नागरकोट जाते थे, एक बार उन्होंने माँ से विनती किया 'माँ कोई उपाय कीजिए कि आपका दर्शन सरलता से पा सकूँ। ' कहते हैं माँ ने कहा- साथ चलती हूँ और साथ हो लौं, पर उनको पीछे मुड़कर देखना नहीं था, यहाँ आकर उनका धैर्य टूट गया और वो पीछे मुड़कर देख लिए और देवी वहीं (नरी सेमरी) में विराजमान हो गई। नित्य नियम से उनकी अर्चना- वंदना होती है। जिनके दिन अनुकूल नहीं हों, वे वहाँ जाकर उलटी स्वारितक बना आते हैं और विनती करते हैं, जब मनोकामना पूरी हो जाती है तो, स्वास्तिक को सीधा बना आते हैं। भौतिक- अभौतिक हर तरह की इच्छानुकूल वर की प्राप्ति होती है। सामने एक बड़ा सा जलाशय है, जहाँ नौकाविहार की व्यवस्था भी है। तीज की आरती के समय चोंदनी का कपड़ा स्पर्श कराके आरती की जाती है और उनको कुछ नहीं होता। आज भी धानू भगत के वंशज ही पूजा करते हैं। अलीगढ़ की रतरोई



माता की भी महिमा अपार है।इस मंदिर के छोड़ी वाली बाबा भी प्रसिद्ध हैं। विशाल मुख्य द्वार पर अनेक आकृतियाँ बनी हुई हैं। फिर मुख्य मंदिर के सामने बड़ा सा कक्ष है, जहाँ भक्त पूजा-पाठ करते हैं। चारों ओर अनेक कमरे हैं, जिसमें लोग आकर ठहरते हैं, और महीनों अपने आरोग्य का निवारण करते हैं। मुख्य पुजारी का नाम साहब सिंह है, जो इसी रतरोई माँ की पूजा की जाती हैं। दूर दूर से लोग आते हैं। ब्रज के इन सभी देवी मंदिरों का दर्शन मैंने समय-समय पर किया है। प्रथम शैलपुत्री माता की उपासना के लिए वृषभ वाहन पर विराजित माँ के रहने वाले हैं। दूर दूर से लोग आते हैं। ब्रज के इन सभी देवी मंदिरों का दर्शन मैंने समय-समय पर किया है। प्रथम शैलपुत्री माता की उपासना के लिए वृषभ वाहन पर विराजित माँ की पूजा की जाती हैं। गुड़हल और चमेली के पुष्प इनको प्रिय हैं, लोग भोग के लिए फल, मिठाई आदि लाते हैं। घर में हलुआ बना कर भी भोग लगाया जाता है। उपासना का मंत्र है- वंदे वांछित लाभाय चंद्रधृकृतशेखराम। वृषपर्वा

शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्। नवरात्र की द्वितीया तिथि को ब्रह्मचारिणी माता की उपासना की जाती है। इनके एक हाथ में जप की माला और दूसरे में कर्मंडल होता है। इनकी आराधना अनंत फलदायक है। ये जीवन को सात्विक बनाती हैं, त्याग, समर्पण, वैराग्य, और सदाचार का पाठ सिखाती हैं। छात्रों के लिए इनकी आराधना उनके विद्याध्ययन में सफलता प्रदान करता है। इनको गुड़हल, चमेली और कमल का फूल पसंद है। सफेद फल चढ़ा कर, व्रत में खाना चाहिए। करपद्माभ्यामक्षमालाकर्मंडलम्। प्रसीदतु मयि ब्रह्मचरिण्यनुत्तम। इसी तरह अन्य दिनों की पूजा विधिवत सम्पन्न होती है। 'रुपं देहि जयं देहि यशो देहि ' की आकांक्षा रखने और अभिर्वंदन करने वाले का माँ चतुर्मुखी विकास करती है। सबका मंगल और कल्याण हो।

एआई या विनाश?

यह कठिन विषयों को सरलता से समझाने, अध्ययन सामग्री तैयार करने और उन विद्यार्थियों की सहायता करने में उपयोगी है, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। वैज्ञानिक एआई की सहायता से अनुसंधान को गति दे रहे हैं, जलवायु के पैटर्न का अध्ययन कर रहे हैं, संभावित दवाओं की खोज में सहायता प्राप्त कर रहे हैं और जटिल समस्याओं का समाधान खोज रहे हैं।

● डॉ. विजय गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे समय के सबसे शक्तिशाली तकनीकी विकासों में से एक है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, संचार, उद्योग और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्रों को तेजी से बदल रही है। मशीनें अब विशाल मात्रा में जानकारी का विश्लेषण कर सकती हैं, नई सामग्री तैयार कर सकती हैं, विभिन्न पैटर्न पहचान सकती हैं और ऐसे कार्य कर सकती हैं, जो पहले लिए पहले मानवीय बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती थी। लेकिन इन उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठता है- क्या एआई मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरे बननेगा या इसका अनियंत्रित विकास विनाश का कारण बन सकता है? इसका उत्तर केवल इस बात पर निर्भर नहीं करता कि मशीनें किनकी बुद्धिमान बनती हैं, बल्कि इस पर भी निर्भर करता है कि मनुष्य उनका विकास और उपयोग किन्ती जिम्मेदारी से करते हैं। एआई में मानव जीवन को बेहतर बनाने की अपार क्षमता है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में यह डॉक्टरों को मेडिकल इमेज का विश्लेषण करने, बीमारियों की पहचान करने और उपचार की रणनीतियाँ तैयार करने में सहायता कर सकती है। कृषि में एआई आधारित प्रणालियाँ किसानों को फसलों की निगरानी करने, मौसम का अनुमान लगाने, पौधों में रोगों की पहचान करने और पानी का अधिक कुशलता से उपयोग करने में मदद कर सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में एआई विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुसार व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव प्रदान कर सकती है। यह कठिन विषयों को सरलता से समझाने, अध्ययन सामग्री तैयार करने और उन विद्यार्थियों की सहायता करने में उपयोगी है, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। वैज्ञानिक एआई की सहायता से अनुसंधान को गति दे रहे हैं, जलवायु के पैटर्न का अध्ययन कर रहे हैं, संभावित दवाओं की खोज में सहायता प्राप्त कर रहे हैं और जटिल समस्याओं का समाधान खोज रहे हैं। उद्योगों में बुद्धिमान स्वचालन से उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है, संसाधनों की बर्बादी कम की जा सकती है और कार्यस्थलों को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है। ये उपलब्धियाँ दर्शाती हैं कि एआई क्षेत्र में एआई विद्यार्थियों नहीं है। यदि इसका संचालन मानवीय मूल्यों और उचित सुरक्षा उपायों के आधार पर किया जाए, तो यह सामाजिक प्रगति का एक शक्तिशाली साधन बन सकती है। अनेक लाभों के बावजूद एआई गंभीर चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करती है। सबसे बड़ी चिंताओं में से

एक रोजगार पर इसका प्रभाव है। जैसे-जैसे मशीनें दोहराए जाने वाले कार्यों और कुछ कुशल कार्यों को करने में सक्षम होती जा रही हैं, वेसे-वेसे कई क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों के सामने अनिश्चितता बढ़ सकती है। यदि उचित योजना, पुनः प्रशिक्षण और सामाजिक सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई, तो तकनीकी प्रगति आर्थिक असमानता को बढ़ा सकती है। दूसरा बड़ा खतरा भ्रामक सूचनाओं का प्रसार है। एआई ऐसी नकली तस्वीरें, वीडियो, आवाजें और लिखित संदेश तैयार कर सकती है, जो वास्तविक प्रतीत होते हैं। इनका उपयोग किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, लोगों को गुमराह करने, धोखाधड़ी करने और सामाजिक विहवास को कमजोर करने के लिए किया जा सकता है। जब लोगों के लिए वास्तविक और नकली जानकारी में अंतर करना कठिन हो जाता है, तो समाज के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी हो जाती है। निजता भी चिंता का विषय है। एआई प्रणालियाँ बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत जानकारी का विश्लेषण कर सकती हैं। यदि इस जानकारी को गैर-जिम्मेदाराना तरीके से एकत्रित, संग्रहित या उपयोग किया जाए, तो लोगों का अपनी निजी जिंदगी पर नियंत्रण कम हो सकता है। पक्षपातपूर्ण एल्गोरिदम भर्ती, भ्रम वितरण, शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण निर्णयों में अनुचित परिणाम भी उत्पन्न कर सकते हैं। साइबर हमलों और स्वायत्त हथियारों में एआई के उपयोग से जुड़े खतरे भी गंभीर हैं। सैन्य परिस्थितियों में लक्ष्यों की पहचान करने या तेजी से निर्णय लेने वाली प्रणालियाँ अनचाहे संघर्षों के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। इसलिए जीवन-मृत्यु से जुड़े निर्णयों में मानवीय विवेक, जवाबदेही और प्रभावी मानवीय नियंत्रण अत्यंत आवश्यक हैं। एआई द्वारा मनुष्यों की जगह ले लेने का डर स्वाभाविक है, लेकिन भविष्य को केवल मनुष्य और मशीनों के बीच प्रतिस्पर्धा के रूप में देखना उचित नहीं होगा। अनेक क्षेत्रों में एआई सभी मानवीय भूमिकाओं को समाप्त करने के बजाय काम करने के तरीकों और प्रकृति को बदल सकती है। मशीनें सूचनाओं का तेजी से विश्लेषण कर सकती हैं, लेकिन मानव समाज को केवल गति और गणना की आवश्यकता नहीं है। सहानुभूति, नैतिक जिम्मेदारी, करुणा, सांस्कृतिक समझ और व्यक्तिगत संबंध मानवीय जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं। एक मशीन शिक्षक को वैज्ञानिक सिद्धांत समझाने में सहायता कर सकती है, लेकिन एक संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थी के भय को पहचान सकता है, उसमें आत्मविश्वास जगा सकता है और उसे कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकता है।



- डॉ. सत्यवान सौरभ

हम अमेरिका, चीन और इसराइल जैसे देशों की तकनीकी उपलब्धियों से आगे निकलने की आकांक्षा रखते हैं। लेकिन क्या केवल नारों से ऐसा संभव है? क्या विश्वगुरु बनने का सपना देखते हुए हम वैज्ञानिकों के काम को जानने, शोध को समझने और ज्ञान को साझा करने की जिम्मेदारी से बच सकते हैं? किसी देश की वैज्ञानिक प्रगति केवल प्रयोगशालाओं में नहीं होती। उसके लिए ऐसा सामाजिक वातावरण भी चाहिए, जहाँ जिज्ञासा का सम्मान हो, सवाल पूछने की आदत विकसित हो, शोध करने वालों को प्रोत्साहन मिले और ज्ञान को प्रतिष्ठा प्राप्त हो।

स्त्री देह पर अटकी सोच, विश्वगुरु बनने के सपने!

सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात कहने, विचार व्यक्त करने और दुनिया से जुड़ने का अवसर दिया है। यह ज्ञान, विज्ञान, साहित्य, कला और सामाजिक सरोकारों को व्यापक स्तर पर पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन सकता है। लेकिन सवाल यह है कि हम इस माध्यम का इस्तेमाल किसलिए कर रहे हैं? वैज्ञानिक खोजों को समझने के लिए, साहित्य पढ़ने के लिए, देश-दुनिया की समस्याओं पर विचार करने के लिए या दूसरों की तस्वीरों में शरीर के अंग तलाशने और अश्लील टिप्पणियाँ करने के लिए? यह सवाल केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का नहीं, बल्कि हमारी मानसिकता, रुचियाँ और सामाजिक प्राथमिकताओं का भी है। एक महिला की शिकायत है कि उसकी तस्वीरों पर बार-बार इस तरह की टिप्पणियाँ की जाती हैं कि वह हर फोटो में अपना पिछवाड़ा क्यों दिखाती है। ऐसे कमेंट्स सैकड़ों बार आ चुके हैं। यह रिश्ते अपने आप में कई सवाल खड़े करती है। तस्वीर पर टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की दृष्टि क्या है? वह किसी महिला की पूरी तस्वीर, उसके व्यक्तित्व, उसके काम या उसकी उपलब्धियों को देखने के बजाय शरीर के किसी एक हिस्से पर ही क्यों अटक जाता है? क्या सोशल मीडिया पर किसी महिला की मौजूदगी का अर्थ यही रह गया है कि उसके शरीर पर सार्वजनिक टिप्पणियाँ की जाएँ? इस महिला का जवाब भी तैया है। वह कहती है कि जब कुछ लोगों को इसी तरह की तस्वीरों में दिलचस्पी है, तो वह उन्हें वही दिखाती है, क्योंकि उनकी रुचि और समझ का स्तर इससे आगे बढ़ता दिखाई नहीं देता। उसके जवाब में व्यंग्य है, आक्रोश है और उन लोगों के प्रति उपेक्षा भी है, जो किसी महिला की तस्वीर को उसके व्यक्तित्व के बजाय उसके शरीर तक सीमित कर देते हैं। हालाँकि, इस पूरे प्रसंग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष किसी महिला की तस्वीर या उसका जवाब नहीं, बल्कि वह मानसिकता है जो महिलाओं को लगातार वस्तु की तरह देखने और उनके शरीर पर अश्लील टिप्पणियाँ करने को सामान्य मान बैठी है। यहाँ एक बुनियादी बात समझने की जरूरत है। किसी महिला को अपनी तस्वीर में अयमानजनक टिप्पणियाँ करना या किसी के चरित्र पर हमला करना उचित नहीं हो जाता।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि दूसरे व्यक्ति की गरिमा को कुचलने का अधिकार मिल गया। किसी की तस्वीर पर असहमति जताने और उसे अपमानित करने के बीच स्पष्ट अंतर है। इस प्रसंग का दूसरा पहलू और भी गंभीर है। जब रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाले वैज्ञानिकों की उपलब्धियों पर पोस्ट साझा की जाती है, तो उस पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती। पोस्ट को सौ लोग भी पसंद नहीं करते, पचास की दलचस्पी कहीं अधिक दिखाई देती है। यदि किसी सोशल मीडिया उपयोगकर्ता को अनुभव ऐसा है, तो इस पर विचार होना चाहिए कि हमारी सामूहिक रुचियाँ किस दिशा में जा रही हैं। हालाँकि, किसी एक पोस्ट पर मिले लाइक और टिप्पणियों के आधार पर पूरे समाज की बौद्धिक क्षमता का फैसला नहीं किया जा सकता। सोशल मीडिया का एल्गोरिदम, पोस्ट का समय, प्रस्तुति, विषय और दर्शकों की रुचि भी उसकी पहुँच को प्रभावित करते हैं। फिर भी, यदि बार-बार यही अनुभव सामने आता है कि मनोरंजन और देह-केंद्रित सामग्री पर अधिक प्रतिक्रिया मिलती है, जबकि विज्ञान, शोध और गंभीर चिंतन पर उदासीनता दिखाई देती है, तो यह हमारी डिजिटल संस्कृति की समीक्षा करने का उचित अवसर है। हम चाहते हैं कि भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करे। हम चाहते हैं कि हमारे वैज्ञानिक नई खोजें करें, हमारे विश्वविद्यालय विश्वस्तरीय अनुसंधान केंद्र बनें और हमारी युवा पीढ़ी चिकित्सा, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा रसायन विज्ञान में नए कीर्तिमान स्थापित करे। हम अमेरिका, चीन और इसराइल जैसे देशों की तकनीकी उपलब्धियों से आगे निकलने की आकांक्षा रखते हैं। लेकिन क्या केवल नारों से ऐसा संभव है? क्या विश्वगुरु बनने का सपना देखते हुए हम वैज्ञानिकों के काम को जानने, शोध को समझने और ज्ञान को साझा करने की जिम्मेदारी से बच सकते हैं? किसी देश की वैज्ञानिक प्रगति केवल प्रयोगशालाओं में नहीं होती। उसके लिए ऐसा सामाजिक वातावरण भी चाहिए, जहाँ जिज्ञासा का सम्मान हो, सवाल पूछने की आदत विकसित हो, शोध करने वालों को प्रोत्साहन मिले और ज्ञान को प्रतिष्ठा प्राप्त हो। जब युवा किसी वैज्ञानिक की उपलब्धि पर चर्चा करते हैं, किसी शोध के निष्कर्षों को समझते हैं और किसी नई

तकनीक के सामाजिक प्रभाव पर विचार करते हैं, तभी वैज्ञानिक चेतना समाज का हिस्सा बनती है। यदि ज्ञान को उबाऊ और अश्लील मनोरंजन को सबसे आकर्षक मान लिया जाए, तो इस प्रवृत्ति पर गंभीर विमर्श आवश्यक है। यह भी सच है कि मनोरंजन और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। सोशल मीडिया पर हास्य, सुंदरता, फैशन और मनोरंजन के लिए भी जगह होनी चाहिए। हर व्यक्ति से हर समय गंभीर लेख पढ़ने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। समस्या मनोरंजन में नहीं, बल्कि तब है जब किसी महिला की तस्वीर के बहाने अश्लीलता, अपमान और स्त्री-विरोधी सोच की बढ़ावा दिया जाता है तथा ज्ञानवर्धक सामग्री के प्रति रुचि विकसित करने के प्रयासों को लगातार अनदेखा किया जाता है। महिलाओं के प्रति दोहरा रवैया भी एक चिंताकर्म नहीं है। एक ओर लोग उनकी तस्वीरें देखते हैं, उन पर टिप्पणियाँ करते हैं और उनकी लोकप्रियता का हिस्सा बनते हैं; दूसरी ओर उन्हीं महिलाओं को नैतिकता का पाठ पढ़ाने लगते हैं। यदि किसी महिला की तस्वीर पसंद नहीं है, तो उसे देखना या उस पर टिप्पणी करना अनिवार्य नहीं है। लेकिन किसी की तस्वीर को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना उस व्यक्ति की गरिमा के प्रति असम्मान दर्शाता है। किसी महिला की स्वतंत्रता पर सवाल उठाने से पहले यह भी देखना चाहिए कि टिप्पणी करने वाले व्यक्ति का अपना व्यवहार कितना जिम्मेदार है। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता और कमाई का प्रश्न भी इसी बहस से जुड़ा है। जब किसी तरह की सामग्री पर अधिक दर्शक आते हैं, तो कुछ लोग उसे अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं। इसमें अपने आप में कोई आश्चर्य नहीं है; डिजिटल मंचों पर दर्शकों की रुचि ही अक्सर सामग्री के प्रसार और कमाई को प्रभावित करती है। लेकिन यह प्रश्न जरूर उठता है कि हम किस प्रकार की सामग्री को प्रोत्साहित कर रहे हैं। यदि दर्शक किसी सामग्री को लगातार देखते, साझा करते और उस पर प्रतिक्रिया देते हैं, तो वे अनजाने में ही सही, उसके प्रसार में योगदान करते हैं। इसलिए केवल सामग्री बनाने वालों को दोष देना पर्याप्त नहीं है। दर्शकों को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। जिस पोस्ट पर वे प्रतिक्रिया देते हैं, जिस वीडियो को बार-बार देखते हैं और जिस टिप्पणी को आगे बढ़ाते हैं, उससे डिजिटल वातावरण का स्वरूप बनता है।

हार्दिक पांड्या 33 साल के हुए, जन्मदिन पर प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों ने दी बधाई



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आज 33 साल के हो गये। जन्मदिन पर हार्दिक को प्रशंसकों के साथ ही साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी है। जिन्होंने 33 वर्ष की उम्र तक भारतीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। साल 2016 में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने के बाद से वह इन दोनों प्रारूपों के नियमित सदस्य रहे हैं। 94 एकदिवसीय मैचों की 68 पारियों में उन्होंने 11 अर्धशतकों की मदद से 1,904 रन बनाए हैं और 91 विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं, 138 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 9 अर्धशतकों के साथ 2,288 रन बनाए हैं और 114 विकेट झटके हैं।

उन्होंने जुलाई 2017 में टेस्ट डेब्यू के बाद सितंबर 2018 में अपना आखिरी टेस्ट खेला पर इस छोटे से अंतराल में उन्होंने 11 टेस्ट की 18 पारियों में एक शतक और चार अर्धशतक सहित 532 रन बनाए और 17 विकेट लिए। हार्दिक ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय टीम को से भारत को 17 साल बाद विश्व चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैदान से बाहर के उतार-चढ़ाव और खराब फॉर्म से जूझने के बावजूद, पांड्या ने बड़े टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनकी तेज गेंदबाजी, विस्फोटक बल्लेबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण उन्हें सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व

क्रिकेट में भी एक दुर्लभ ऑलराउंडर बनाता है। हार्दिक विश्व कप से पहले वह अपनी फॉर्म और निजी जीवन को लेकर लगातार चर्चा में थे। हालांकि, बड़े मौकों पर उनका प्रदर्शन हमेशा बेहतर होता है, और यह विश्व कप इसका सटीक उदाहरण रहा। वर्तमान में, वह मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। पांड्या की यह बहुमुखी प्रतिभा और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता उन्हें आगामी चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप 2026 जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भारत के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी बनाती है। फिलहाल, वह चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं।

रेनशॉ ने विराट का एक रिकार्ड तोड़ा



डारबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 190 रनों की एक ऐतिहासिक पारी खेलकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का लगभग आठ साल पुराना रिकार्ड भी तोड़ दिया है। ये रिकार्ड है निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर सबसे अधिक रन बनाने का। ऑस्ट्रेलियाई टीम के 124 रनों पर ही शीर्ष बल्लेबाज आउट हो गये थे। ऐसे समय में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मैट रेनशॉ ने एक छोर संभाले रखा और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उनकी 190 रनों की जुझारू पारी की सहायता से ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 390 रनों का स्कोर बनाने में सफल रही।

रेनशॉ ने अपनी इस पारी में पुछ्छे बल्लेबाजों के साथ मिलकर कुल 174 रन जोड़े, जो अब तक का एक नया कीर्तिमान है। उन्होंने विशेष रूप से तब

पारी संभाली जब ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट मात्र 230 रनों पर गिर चुके थे। उन्होंने नौवें विकेट के लिए अनुभवी स्पिनर नाथन लायन के साथ मिलकर 134 रनों की एक अविश्वसनीय साझेदारी की। इसके बाद, उन्होंने पैट कर्मिस के साथ भी कुछ अहरम रन जोड़े, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई पारी को और मजबूती दी। इन साझेदारियों ने न केवल ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल से निकाला, बल्कि रेनशॉ को यह विशिष्ट रिकार्ड बनाने में भी सहायता की।

वहीं इससे पहले, टेस्ट क्रिकेट में पुछ्छे बल्लेबाजों के साथ बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक रन जोड़ने का यह रिकार्ड विराट के नाम था। कोहली ने साल 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में अपनी 235 रनों की शानदार पारी के दौरान निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ 171 रन बनाए थे। रेनशॉ ने कोहली के इस आठ साल पुराने रिकार्ड को तीन रन के मामूली अंतर से तोड़कर एक नया कीर्तिमान अपने नाम किया है।

अर्जेंटीना से विदाई के बाद मेसी का धमाका, इंटर मियामी के लिए दागे दो गोल



फ्लोरिडा। अर्जेंटीना के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के भावनात्मक अंत के महज चार दिन बाद लियोनेल मेसी ने क्लब फुटबॉल में शानदार वापसी की। मेसी ने शनिवार को इंटर मियामी की ओर से खेलते हुए डीसी यूनाइटेड के खिलाफ दो गोल दागे और अपनी टीम को 4-0 से शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लीग में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

मैनचेस्टर सिटी, लिवरपूल मुकाबले में दर्शकों को रोमांचक खेल देखने को मिलेगा : एर्लिंग

लंदन । मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड को उम्मीद है कि लिवरपूल के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उनकी टीम का प्रशंसकों का पूरा साथ मिलेगा। प्रीमियर लीग फुटबॉल में नंबर एक पर चल रही मैनचेस्टर सिटी इस मैच मैच में जीत कर अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। एर्लिंग को उम्मीद है कि प्रशंसक को इस बड़े मुकाबले मे काफी अच्छा खेल देखने को मिलेगा। एर्लिंग का कहना है कि इस मुकाबले में टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। साथ ही उसे सकारात्मक रुख बनाये रखना होगा। एर्लिंग ने स्वीकार किया कि लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा ही एक अनूठा अनुभव होता है। उन्होंने एनफील्ड में अपने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने वहां जीत, ड्रॉ और हार, तीनों का आनंद लिया है। उनके अनुसार, यह खेल एक नई चुनौती लेकर आता है, और दोनों क्लबों के बीच की गहरी प्रतिद्वंद्विता इसे और भी रोमांचक अनुभव बना देती है। एर्लिंग ने मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गाडियोला और लिवरपूल के पूर्व मैनेजर जर्गन क्लोप के बीच दशकों तक चली जबरदस्त प्रतिस्पर्धा को भी याद किया। उन्होंने बताया कि जब वह साल्जबर्ग और बोरुसिया डॉर्टमुंड के लिए खेलते थे, तब वह इन दो महान प्रशिक्षकों के बीच होने वाले मुकाबलों को बड़ी उत्सुकता से देखते थे। ब्रिटेन के साथ अपने गहरे पारिवारिक जुड़ाव का जिक्र करते हुए हालैंड ने कहा कि उनकी मां लगभग एक दशक तक इस देश में रही है, जबकि उनके पिता मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलते हुए कैरिंगटन में अभ्यास करते थे। उन्होंने अपने बचपन के शुरुआती चार महत्वपूर्ण साल भी यहीं बिताए। इन व्यक्तिगत संबंधों के चलते, यह स्थान उनके लिए बेहद खास है और उन्हें मैनचेस्टर सिटी तथा उसके समर्पित प्रशंसकों से गहरा लगाव है। मैनचेस्टर सिटी ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले लीग के शुरुआती पांच मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर एक मजबूत शुरुआत की थी। हालांकि, लिवरपूल के घरेलू मैदान एनफील्ड में उसे निश्चित रूप से एक कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा।

शंघाई मास्टर्स : दर्शक से जुड़े विवाद के बाद मेदवेदेव ने दर्ज की पहली जीत, अल्काराज भी अगले दौर में पहुंचे



शंघाई। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने दर्शक से जुड़े विवाद के बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने शनिवार को खेलें गए दूसरे दौर के मुकाबले में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्टर्फ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। चीन ओपन में डिसकालिफाई किए जाने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था।

बांग्लादेश चैंपियंस के दिये लक्ष्य से हम दबाव में आये : गेल



शारजार (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2026 में वेस्टइंडीज चैंपियंस ने भले ही बांग्लादेश चैंपियंस के खिलाफ रोमांचक मुकाबला जीत लिया हो पर जिस प्रकार से बांग्लादेश चैंपियंस ने उससे टक्कर दी उससे टीम के स्टार बल्लेबाज क्रिस गेल भी डरे हुए हैं। गेल ने माना है कि बांग्लादेश टीम के प्रदर्शन से वह डर गयीं थे। वेस्टइंडीज ने इस मैच में 219 रन का बड़ा लक्ष्य हासिल कर 5 विकेट से यह मैच जीत लिया था पर बांग्लादेश की बेहतरीन बल्लेबाजी से उसके लिए लिए जीत हासिल करना बेदद कठिन हो गया था।

इस मैच में बांग्लादेश चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 219 रन बनाये। उनी नकी तरफ से रोनी तालुकदार और कप्तान महमुदुल्लह ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, तक पहुंचाया। वॉल्टन ने एक जिससे वेस्टइंडीज के सामने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा हो गया। यह स्कोर

इतना आसान नहीं था कि वेस्टइंडीज चैंपियंस इसे बिना किसी दबाव के हासिल कर पाते, और इसी वजह से उन्हें एक ठेस और आक्रामक शुरुआत की सख्त जरूरत थी।

इस मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज चैंपियंस को क्रिस गेल और लेंडल सिमंस ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से जोरदार शुरुआत दी। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ कुछ ही ओवरों में 67 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। इसके बाद क्रिस गेल ने अपनी चिर-परिचित अंदाज में खेलते हुए मात्र 25 गेंदों पर 56 रन ठेक डाले, जिसमें 6 छक्के और 4 शानदार चौके शामिल रहे। वहीं, लेंडल सिमंस ने भी 11 गेंदों पर तेजतर्रार 20 रन का योगदान दिया। इस आक्रामक शुरुआत ने वेस्टइंडीज को लक्ष्य के करीब पहुंचने के लिए एक मजबूत नींव प्रदान की।

गेल और सिमंस द्वारा रखी गई नींव का फायदा उठाते हुए, इसके बाद चाडविक वॉल्टन ने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और टीम को जीत शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, तक पहुंचाया। वॉल्टन ने एक अविस्मरणीय पारी खेलते हुए महज 43 गेंदों पर नाबाद 90 रन बनाए।

गंभीर ने मयंक की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की जमकर प्रशंसा की है। मयंक 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए टी-20 मुकाबले में मयंक यादव लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की गति से गेंद डालते रहे। चोट से उबरकर वापसी कर रहे मयंक ने इस मैच में अपने तीन ओवर में 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए। उनकी गेंदों के सामने वेस्टइंडीज का शीर्ष क्रम भी टिक नहीं पाया। उनकी इस प्रभावशाली गेंदबाजी ने न केवल

वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को परेशानी में डाला, बल्कि भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को एक ऐसे तेज गेंदबाज की झलक भी दी, जो भविष्य में टीम इंडिया के लिए एक बड़ा हथियार बन सकता है। इसी से से प्रभावित होकर गंभीर ने उनकी जमकर तारीफ की। गंभीर ने कहा, अगर आप 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं तो 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। अगर

आप 120 की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 120 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। जब आप तेज गेंदबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आपको उस भूमिका को अच्छी तरह से निभाना चाहिए, उससे आज ऐसा किया और वह सफल रहा। गंभीर के इन शब्दों ने मयंक की उस भूमिका को सराहा, जिसमें उन्होंने अपनी स्वाभाविक तेज गति से कोई समझौता नहीं किया। हालांकि इस में भारतीय टीम के हारने पर गावस्कर ने ने कप्तान के एक फैसले पर नाराजगी जतायी । गावस्कर का मानना ? ?है कि 17वां ओवर मयंक न देना भारत की हार की एक बड़ी वजह रही। उन्होंने बताया कि कप्तान ने कुलदीप यादव को गेंद थमाई, जिन्होंने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा कर रही वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। गावस्कर ने कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। साथ ही कहा , अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैच आपके पक्ष में जा सकता था। जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है, एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था।

सचिन तेंदुलकर के नाम अनोखा टेस्ट रिकॉर्ड, छक्के से शतक पूरा करने में सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट को धैर्य और तकनीक का खेल माना जाता है। खासकर पुराने दौर में बल्लेबाजों के लिए 90 से 100 रन तक पहुंचना बड़ी चुनौती हुआ करता था। शतक के करीब पहुंचने पर बल्लेबाज बड़े शांति खेलने से बचते थे और एक-एक रन जोड़कर अपना शतक पूरा करते थे। हालांकि समय के साथ क्रिकेट का अंदाज बदला और आक्रामक बल्लेबाजों ने शतक पूरा करने के लिए छक्कों का सहारा लेना शुरू कर दिया। टेस्ट क्रिकेट में छक्के से शतक पूरा करने के मामले में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं।

सचिन तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में छह बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। उनके नाम 200 टेस्ट मैचों में 51 शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100

शतक का ऐतिहासिक रिकार्ड है, लेकिन छक्के से शतक पूरा करने का यह आंकड़ा अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहा है। सचिन ने पहली बार 1994 में नागपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना आठवां टेस्ट शतक छक्के के साथ पूरा किया था। इसके बाद इंग्लैंड के नॉटिंघम में उन्होंने अपने करियर का नौवां शतक भी छक्के से पूरा किया। सचिन के करियर का 18वां टेस्ट शतक भी छक्के से पूरा हुआ था। यह शतक उन्होंने न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में बनाया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2010-11 की सीरीज में उन्होंने छक्के के साथ अपना 49वां शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके 50वें और 51वें टेस्ट शतक के दौरान भी छक्का शतक पूरा करने का माध्यम बना। इस तरह सचिन ने कुल छह टेस्ट शतक छक्का लगाकर पूरे किए।

इस सूची में इंग्लैंड के केन बैरिंगटन भी शामिल हैं, जिन्होंने चार टेस्ट शतक छक्के से पूरे किए थे। हालांकि वह सचिन से पीछे हैं। भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी छक्के से शतक पूरा करने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में तीन बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। सहवाग ने 2003 में मेलबर्न में स्ट्रुअर्ट मैकगिल की गेंद पर छक्का लगाकर शतक पूरा किया था। इसके बाद 2004 में मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने छक्के के साथ शतक पूरा किया। 2010 में कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान पर रॉबिन पीटरसन की गेंद पर छक्का लगाकर सहवाग ने एक और टेस्ट शतक पूरा किया। सहवाग के नाम टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक भी है, जिसे उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर हासिल किया।

अबू धाबी (एजेंसी)। बांग्लादेश

के नये तेज गेंदबाज हसन महमूद ने अफगानिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन हैट्रिक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब हसन टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं।

इससे हसन को बांग्लादेश के उन गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं जो टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने में सफल रहे है। उनसे पहले साल 2003 में आलोक कपाली ने पाकिस्तान के खिलाफ पेशावर में हैट्रिक ली थी, और फिर 2013 में सोहान गाजी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चट्टागंव में टेस्ट हैट्रिक दोहराई थी। अब हसन महमूद ने अपनी तेज गेंदबाजी के बल पर इस प्रतिष्ठित सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। एक तेज गेंदबाज के रूप में यह उपलब्धि और भी खास हो जाती है।तीसरे दिन की शुरुआत में नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए, हसन ने अपनी हैट्रिक की शुरुआत अफगानिस्तान के बल्लेबाज इस्मत आलम को आउट करके की।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी करेंगे सैंटनर

–फर्ग्युसन और एलन की तीन साल बाद वापसी

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाली मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी मिशेल सेंटनर को दी गयी है जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन की तीन साल के बाद टीम में वापसी हुई है। यह सीरीज 4 नवंबर से 15 नवंबर तक खेली जाएगी, जिसके लिए न्यूजीलैंड बोर्ड ने पहले तीन एकदिवसीय और अंतिम दो एकदिवसीय के लिए अलग-अलग दल का चयन किया है। टीम के रणनीतिक बदलावों और प्रमुख खिलाड़ियों की वापसी से यह सीरीज और भी बेहतर होने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि टीम में वापसी करने वाले फर्ग्युसन ने कीवी टीम के लिए अपना अंतिम एकदिवसीय मुकाबला तीन साल पहले खेला था और अब वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिससे टीम की तेज गेंदबाजी बेहतर होगी। उनके अलावा फिन एलन की भी तीन साल के बाद ही एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में दक्षिण अफीका चैंपियंस से हारी इंडिया चैंपियंस

शारजाह। दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने इंडिया चैंपियंस को 4 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स जीती है। इस मैच में टीम इंडिया के दिये 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीम ने 7 गेंदे पहले ही 197 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया चैंपियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने केवल 31 गेंदों पर ही 6 चौके और 6 छक्कों की सहायता से 77 रनों की आक्रामक पारी खेली। वहीं स्ट्रुअर्ट बिन्नी ने भी अर्धशतक लगाया और 50 रन बनाए। वहीं युवराज सिंह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। अंबाती राघुदुरसिर्फ 19 रन ही बना पाए। दयुसुफ पटान ने 24 रन तो बनाए लेकिन उनकी धीमी पारी टीम के लिए उतनी उपयोगी साबित नहीं हुई। इरफान पटान और ऋषि धवन समेत अन्य बल्लेबाज भी अधिक रन नहीं बना पाये। टीम इंडिया ने तय ओवरों में 196 रन बनाये। इसके बाद बड़े लक्ष्य करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उनके पहले चार विकेट केवल 67 रन पर ही गिर गए थे, जिससे इंडिया चैंपियंस की जीत की उम्मीदें बन रही थीं। प्रमुख बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और कप्तान फाफ डु प्लेसिस भी सस्ते में ही पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद जेपी डुमिनी और कॉलिन इंग्रम ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 101 रन बनाये। डुमिनी ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए 66 रनों की आक्रामक पारी खेली जबकि कॉलिन इंग्रम ने भी 40 रन बनाये। भारतीय गेंदबाज असफल रहे जिससे इंडिया चैंपियंस को इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है।

सचिन तेंदुलकर के नाम अनोखा टेस्ट रिकॉर्ड, छक्के से शतक पूरा करने में सबसे आगे



राजस्थान दर्शन

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित मेरी शक्ति की कहानी कार्यक्रम में महिलाओं ने साझा किए संघर्ष और सफलता के अनुभव



राजस्थान दर्शन

राजसमंद । अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल काकरोली एवं युवती विभाग की ओर से नवरात्रि के पावन अवसर पर मेरी शक्ति की कहानी और युवती शक्ति-द शोकेस विषय पर आयोजित प्रेरणादायी कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी जीवन-यात्रा, संघर्षों, अनुभवों और उपलब्धियों को साझा करते हुए समाज को आत्मविश्वास, साहस और आत्मबल का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात महिला मंडल काकरोली की अध्यक्ष मनोषा कचरारा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी जीवन-यात्रा को नए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। जीवन में आने वाली चुनौतियों को अपनी ताकत में बदलकर महिलाएं आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ सकती हैं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महिलाओं द्वारा अपनी जीवनगाथा साझा करना रहा। प्रतिभागियों ने बताया कि जीवन के विभिन्न पड़ावों पर उन्हें किन-किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, उन अनुभवों से उन्होंने क्या सीखा और किस तरह अपने भीतर आत्मविश्वास विकसित किया। उनकी कहानियों में धैर्य, संकल्प, सकारात्मक सोच और आत्मनिर्भरता की झलक देखने को मिली। क्वत्ताओं ने संदेश दिया कि प्रत्येक महिला के भीतर अपनी अलग पहचान बनाने की विशेष शक्ति होती है। जब महिलाएं अपने अनुभवों को साझा करती हैं, तो वे दूसरों के लिए प्रेरणा का आधार बनती हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनुक्ता ससुराणिया ने प्रथम स्थान, रीना बाबेल ने द्वितीय स्थान तथा सपना मल्लेचा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संचालन प्रिया चोर्डिया ने किया एवं अंत में निरुपमा धारीवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।



राजस्थान दर्शन

राजसमंद । विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर श्रीमती बदाम बाई उदयलाल सियाल राउमावि गुड्डला में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्रसिंह चारण, विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता जिला मनोरंपण प्रभारी व प्रशिक्षक पुषेन्द्र पणिक्कर थे। जबकि अध्यक्षता स्थानीय संस्था प्रधान डॉ नीना शेखावत ने की। वहीं रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला मनोरंर्पण प्रभारी पणिक्कर ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए उनके अनुभव भी सुने। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को परीक्षा के समय तनाव लेने से बचना चाहिए तथा अपने मन की बातें सदैव माता-पिता और सच्चे मित्रों से साझा करनी चाहिए। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी चारण ने विद्यार्थियों को मोबाइल फोन का सीमित एवं संतुलित उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने महाभारत के कर्ण का प्रसंग सुनाते हुए सच्चे मित्र के गुणों पर प्रकाश डाला और राष्ट्रकवि रामधारीसिंह दिनकर की प्रसिद्ध कविता का सुमधुर गायन भी किया। इसी क्रम में प्राध्यापक नरेन्द्रसिंह चौहान ने पायलट रिमथ मच्छार का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक संतुलन और धैर्य बनाए रखकर कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रधान डॉ शेखावत ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए। इस दौरान कानसिंह, पुष्प लता, प्राची शर्मा, उषा यादव, विजयसिंह, वरदान मुद्गल, यशोदा लोहार, राजेश कुमार और दिलराज मीणा सहित विद्यार्थी मौजूद थे। संचालन प्राध्यापक नरेन्द्रसिंह चौहान नेकिया।

कीर समाज केपीएल-2 क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर हुई बैठक

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । कीर समाज के जिला स्तरीय केपीएल-2 क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर हरिवंश कीर समाज बड़े चोकला के सामुदायिक भवन (रेलवे स्टेशन के पास) में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। समाज अध्यक्ष लहरीलाल कीर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में टूर्नामेंट की तैयारियों और विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन समिति के अनुसार यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रेलमगरा तहसील के ओड़ा गांव में आगामी 12 से 15 नवंबर 2026 तक खेली जाएगी। इस रोमांचक टूर्नामेंट में जिले की कुल 12 प्रमुख टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके सभी खिलाड़ियों का चयन विशेष आ्वेशन (सीलान्डी) प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। प्रतियोगिता को लेकर समाज के युवाओं और खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। टूर्नामेंट में सांवरिया मार्वल, राडाजी कंस्ट्रक्शन, भैरवनाथ फ्लेक्स, वीबीके आरजे 30, 11 स्टार नैनपुरिया, कविता एंटरप्राइजेज, मातेश्वरी क्लब, अहमदाबाद टाइगर, ब्रदर्स, मातृकुंडिया सुपर किंग, हरिओम ग्रुप और काव्याश ट्रैडिंग मोही की टीमें अपना दमखम दिखाएंगी। इस दौरान बड़े चोकला अध्यक्ष लहरीलाल कीर, युवा जिलाध्यक्ष नारायणलाल कीर (उपली ओडन), उपाध्यक्ष एसके महादेव, कमेटी अध्यक्ष मनोहरलाल कीर, सरपंच अंबालाल भेरूलाल, कैलाश (पिपली), हिम्मत कीर, राजू बांस, उदयलाल, रमेशचंद्र कीर (ओड़ा), बाबूलाल, भंवर, विजय, कैलाश और अर्जुन (नैनपुरिया) सहित मौजूद थे।

काव्य गोष्ठी मंच कांकरोली ने किया नवनविर्वाचित उप सभापति मोहन कुमावत और वाई पार्षद का अभिनंदन

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । साहित्यिक संस्था काव्य गोष्ठी मंच कांकरोली द्वारा नगर परिषद के नवनियुक्त उप सभापति मोहन कुमावत और वाई पार्षद अंजना ललित खींची का अभिनंदन किया गया। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने दोनों जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए नगर में साहित्यिक और सांस्कृतिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए विशेष रूप से कार्य करने का आग्रह किया। वरिष्ठ कवि सुर्यप्रकाश दैक्षित और सतीश आचार्य ने जनप्रतिनिधियों को इकलौई ओढ़ाकर अभिनंदन किया। इस दौरान संस्था की ओर से एक महत्वपूर्ण मांग रखते हुए नगर के गांधी ग्राउंड के योजनाबद्ध विकास तथा नगर के मध्य किशोर नगर में करीब 250 की बैठक क्षमता वाला एक आधुनिक ऑडिटोरियम बनवाने का आग्रह किया गया

राजसमंद पुलिस द्वारा नवरात्रि में शक्ति सुरक्षा अभियान का शुभारंभ

गरबा और डांडिया स्थलों पर रहेगी विशेष निगरानी

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार नवरात्रि के पावन पर्व के दौरान गरबा और डांडिया कार्यक्रमों में शामिल होने वाली महिलाओं तथा बालिकाओं की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान पुलिस प्रदेशभर में शक्ति सुरक्षा अभियान संचालित करेगी इस संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कम्प्युनिटी पुलिसिंग एवं जन-अभियोग लता मनोज कुमार ने समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों और जयपुर तथा जोधपुर के पुलिस उपायुक्तों को आवश्यक एवं कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। एडीजी लता ने बताया कि यह अभियान केवल गरबा-डांडिया कार्यक्रमों के दौरान ही सक्रिय नहीं रहेगा, बल्कि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी महिलाओं की सुरक्षित घर वापसी पर विशेष नजर रखी जाएगी इसके लिए प्रमुख आयोजन स्थलों को पहले से

सेवा ही संकल्प अभियान: रात में सड़कों पर उतरी नगर परिषद की टीम

सभापति ने सफाई कर व्यापारियों और आमजन को स्वच्छता का दिया संदेश

दुकानों के बाहर कचरा नहीं डालने और सफाई व्यवस्था बनाए रखने की समझाइश

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद की ओर से सेवा ही संकल्प अभियान के तहत विशेष रात्रिकालीन सफाई अभियान चलाया गया। सभापति अनीता लोकेश पालीवाल के सानिध्य में टीवीएस सैराहे से महाराणा राजसिंह मार्ग पर सफाई कर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया। इस दौरान नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने मार्ग की सफाई की और व्यापारियों व आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए शहर को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करने की समझाइश की। कार्मिकों के साथ में सभापति पालीवाल, अधिकारियों ने भी झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान व्यापारियों से दुकानों के बाहर कचरा एकत्रित नहीं होने देने, कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने तथा प्रतिष्ठानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई। साथ ही आमजन को सड़क पर कचरा नहीं

65वां पांच दिवसीय जोहिड़ा भेरूजी सांस्कृतिक मेला शुरु

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । जिले में कुंवारिया करबे के मेला परिसर में पंचायत समिति राजसमंद की ओर से आयोजित पांच दिवसीय जोहिड़ा भेरूजी बावजी के 65वें विशाल सांस्कृतिक मेले का रविवार को धिधिवत उद्घाटन हुआ। इस बार पंचायत राज चुनावों की आचार संहिता लागू होने के कारण मेले का उद्घाटन स्कूली बालिकाओं, मेला परिसर स्थित पूजा स्थल के पुजारी तुलसीराम सालवी और भुरालाल भील की उपस्थिति में फीता काटकर तथा झंडारोहण के साथ संपन्न हुआ। दिन के शुभ मुहूर्त में मेला आयोजन समिति के सदस्यों, पंचायत समिति के अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में मुख्य प्रवेश द्वार पर स्कूली बालिकाओं के हाथों रिबन कटवाकर मेले का शुभारंभ किया गया। इसके बाद मेले में विराजित जोहिड़ा बावजी और जोगणिया माताजी के मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई तथा मेले के संस्थापकों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। मेला मंच के समीप भी बालिकाओं के हाथों से झंडारोहण की रस्म अदा की गई। मेला मंच पर आयोजित औपचारिक उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान शहीद भगतसिंह विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने राजस्थानी गीतों और अंजनों पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। संचालन कैलाश शर्मा द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान पंचायत समिति विकास अधिकारी हीरालाल गोयल, तहसीलदार उज्ज्वल जैन, नायब तहसीलदार नवीन गढ़वाल, कुंवारिया सीआई पूरणसिंह राजपुरोहित, वरिष्ठ लेखाधिकारी केसरमल, कैशियर अभिषेक शर्मा, सहायक विकास अधिकारी संजय

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम शाखा द्वारा स्थानीय भिक्षु मिलयम में मेधावी सम्मान समारोह-2026 का आयोजन किया गया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और प्रतिभाशाली प्रोफेशनल्स की उपलब्धियों को सम्मानित करना तथा उन्हें भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ, जिसके पश्चात प्रीति बड़ोला ने टीपीएफ संन्या की सुमधुर प्रस्तुति दी। इसके साथ ही बच्चों द्वारा टीपीएफ के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली पर

प्रादेशिक

राजसमंद पुलिस द्वारा नवरात्रि में शक्ति सुरक्षा अभियान का शुभारंभ



चिह्नित कर वहां सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। एसपी हेमंत कलाल ने बताया कि संवेदनशील और अत्यधिक भीड़भाड़ वाले प्रमुख कार्यक्रम स्थलों पर विशेष कालिका पेट्रोलिंग टीमों और महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त तैनाती की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर सादे वस्त्रों में भी महिला पुलिसकर्मियों को निगरानी के लिए तैनात किया जाएगा। महिलाओं के साथ



फेंकने, सार्वजनिक स्थानों को गंदा नहीं करने और सफाई व्यवस्था बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। नगर परिषद की इस पहल का उद्देश्य केवल सफाई करवाना ही नहीं, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। शहर की सड़कें, बाजार और सार्वजनिक स्थल तभी स्वच्छ रह सकते हैं, जब नगर परिषद के प्रयासों के साथ व्यापारी, दुकानदार और आम नागरिक भी सक्रिय भागीदारी निभाएं। सभापति पालीवाल ने बताया कि सेवा ही संकल्प अभियान के माध्यम से शहर में नियमित सफाई, स्वच्छ वातावरण और जनजागरूकता को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। अभियान का संदेश है कि स्वच्छ राजसमंद बनाने की जिम्मेदारी नगर परिषद के साथ प्रत्येक नागरिक की भी है। इस दौरान परिषद के स्वास्थ्य निरीक्षक गिरिराज गर्ग, दिनेश खोखर, सुरेश अटवाल, इंस्पेक्टर विनोद जावा, गणेश पालीवाल सहित कर्मचारी मौजूद थे।

राजस्थान दर्शन



आचार्य, जगदीश कुमावत, अंबालाल भोई, शिक्षाविद् कैलाशचंद्र शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी विनोद कुमावत, महावीरसिंह खिडिया, मेला कमेटी के सदस्य दिनेशचंद्र शर्मा, राजेंद्र आचार्य, राधेश्याम आचार्य, भेरूलाल कुमावत, नानालाल कीर और लेह्रूलाल गुर्जर सहित आमजन मौजूद थे। मेले के शुभारंभ के साथ ही व्यापारिक गतिविधियों ने भी तेजी पकड़ ली है और मेला परिसर में दुकानें सजने लगी हैं। अधिकांश व्यापारी आमेठ मेले से सीधे कुंवारिया मेले में पहुंचते हैं, जिसके चलते रविवार दोपहर तक व्यापारियों की साजों-सामान के साथ मेले में लगातार आंक्क बनी रही। मेले के विभिन्न हिस्सों में पशुओं के श्रृंगार, ऊनी मार्केट, मनिहारी व श्रृंगार मार्केट तथा लोहा बाजार सहित अन्य बाजारों में दुकानें जमने का क्रम पूरी तेजी से जारी है। मेलाथियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस बार विशेष प्रबंध किए गए हैं। मेले में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर विशेष सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से हर बाजार और गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाएगी। इसके अलावा मेले में पुलिस की अस्थायी चौकी की भी स्थापना की गई है

टीपीएफ राजसमंद द्वारा मेधावी सम्मान समारोह का आयोजन



आधारित एक विशेष प्रस्तुत ने उपस्थित सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। टीपीएफ शाखा के अध्यक्ष हिम्मत सहलोल ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में टीपीएफ के राष्ट्रीय महामंत्री नवीन चोरडिया, विशिष्ट अतिथि सेंट्रल जोन प्रेसिडेंट

रेखा जैन और नेशनल को-कन्वीनर एलुमनी डॉ सुमन बड़ोला की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनके अलावा भिक्षु बोधस्थल के अध्यक्ष हर्षलाल नवलखा, केलवा सभा अध्यक्ष सुभाष कोठारी, कांकरोली टीपीएफ अध्यक्ष राकेश दुकलिया, वैभव कोठारी सहित पदाधिकारी मौजूद थे। टीपीएफ सेंट्रल जोन के विभिन्न पदों

पाली, सोमवार 12 अक्टूबर, 2026

पाली, सोमवार 12 अक्टूबर, 2026

अन्य जरूरी पुलिस संपर्क माध्यमों की जानकारी देने वाले पोस्टर व क्यूआर कोड प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं तुरंत पुलिस सहायता प्राप्त कर सकें। बड़े आयोजनों के साथ आवश्यक बैठकें की जाएंगी, जिसमें महिला सुरक्षा से जुड़े दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। आयोजकों को महिला सुरक्षा के लिए तैनात किए जाने वाले सिग्नोसिटी वॉलंटियर्स की सूची संबंधित स्थानीय पुलिस अधिकारियों को उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा आयोजन स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, साथ ही प्रवेश द्वारों पर पहचान-पत्र और डिजिटल पास की स्कन्ी से जांच की जाएगी। कार्यक्रम स्थलों के प्रवेश व निकास द्वारों, पार्किंग क्षेत्रों तथा पाकिंग से मुख्य आयोजन स्थल तक आने-जाने वाले सभी मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इन सभी स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पुलिस पेट्रोलिंग और जरूरत के मुताबिक महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। महिला यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में

हिंदुस्तान जिक की सामाजिक पहलों से 20 लाख से अधिक बालिकाओं और महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । हर लड़की को केवल पढ़ाई का अवसर ही नहीं, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने और अपना भविष्य खुद तय करने का अधिकार मिलना चाहिए। इसी सोच के साथ हिंदुस्तान जिक बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा, उच्च शिक्षा, खेल और कौशल विकास के माध्यम से आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रहा है, जिससे अब तक 20 लाख से अधिक बालिकाओं और महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। कंपनी की विभिन्न सामाजिक पहलों से लाभान्वित होने वालों में लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं और बालिकाएं शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लड़कियों के उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी बन सकती है। इसी उद्देश्य के तहत हिंदुस्तान जिक की शिक्षा संबल पहल सरकारी विद्यालयों के 47 हजार से अधिक विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को मजबूत कर रही है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थी बालिकाएं हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित आधारित शिक्षा के जरिए ग्रामीण बालिकाओं में तकनीकी विषयों के प्रति आत्मविश्वास बढ़ रहा है। इसी दिशा में ऊंची उड़ान कार्यक्रम मेधावी विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन और कोचिंग प्रदान कर रहा है, जिसका लाभ अब तक करीब 350 विद्यार्थियों को मिल चुका है। उत्तराखंड के हल्दी गांव की सानिया उराव इसका प्रेरणादायक उदाहरण है, जिन्होंने इस कार्यक्रम से जुड़कर आईआईटी गुवाहाटी में प्रवेश प्राप्त किया है। वहीं पश्चिम बंगाल की सोनम घोष ने जिक फुटबॉल अकादमी के आवसीय बालिका कार्यक्रम से जुड़कर अपनी प्रतिभा को निखारा और अंतरराष्ट्रीय स्तर

जयकारों के साथ मंदिरों में घट स्थापना : सजे-धजे पाण्डालों में शुरु हुआ गरबा महोत्सव

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । शक्ति की उपासना के पावन महापर्व शारदीय नवरात्रि का रविवार को जिलेभर में आगाज हो गया। शुभ मुहूर्त में शहर के देवी मंदिरों, देवालयों और घर-घर में विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ घट (कलश) स्थापना की गई। इसके साथ ही मंदिरों में ज्वारे बोंए गए और माता आदिशक्ति की विशेष आराधना का दौर शुरू हो गया। घट स्थापना और सोमवार के अवकाश के चलते पहले ही दिन शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार अलसुबह से ही प्रमुख शक्तिपीठों पर दर्शनार्थियों की लंबी-लंबी कतारें लगा गईंए जो दूर रात तक जारी रही। राजनगर स्थित पहाड़ी पर विकसित अन्नपूर्णा माता, आवरी माता, राठासेन माता व धूंधलाजा माता के साथ-साथ राजसमंद झील किनारे स्थित घेवर माता, अम्बा माता, भोईवाड़ा स्थित चावण्ड माता, कालाजी-गौराजी मंदिर, द्वारकाधीश मार्ग स्थित नाहरसिंह माता मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुए। इसके अलावा जिले के प्रसिद्ध शक्तिपीठों में सुमार विकासवास माता, दोवड़ा माता, बायण माता, वारोही माता, पिपलाज माता और कालिका माता मंदिरों में भी घट स्थापना के साथ विविध अनुष्ठानारंभ हुए, जिनकी पूर्णाहूति नौ दिनों बाद होगी। त्योहार के आगमन से राजसमंद के मुख्य बाजारों में जबरदस्त रोक और व्यापारिक चहल-पहल देखने को मिली। पूजन समग्री, माता के श्रृंगार, चुनरी, ताजे फूलों की मालाओं और व्रत-उपवास की खाद्य सामग्रियों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ जुटी रही। दुकानदारों के अनुसार पहले दिन से ही बिच

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । शक्ति की उपासना के पावन महापर्व शारदीय नवरात्रि का रविवार को जिलेभर में आगाज हो गया। शुभ मुहूर्त में शहर के देवी मंदिरों, देवालयों और घर-घर में विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ घट (कलश) स्थापना की गई। इसके साथ ही मंदिरों में ज्वारे बोंए गए और माता आदिशक्ति की विशेष आराधना का दौर शुरू हो गया। घट स्थापना और सोमवार के अवकाश के चलते पहले ही दिन शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार अलसुबह से ही प्रमुख शक्तिपीठों पर दर्शनार्थियों की लंबी-लंबी कतारें लगा गईंए जो दूर रात तक जारी रही। राजनगर स्थित पहाड़ी पर विकसित अन्नपूर्णा माता, आवरी माता, राठासेन माता व धूंधलाजा माता के साथ-साथ राजसमंद झील किनारे स्थित घेवर माता, अम्बा माता, भोईवाड़ा स्थित चावण्ड माता, कालाजी-गौराजी मंदिर, द्वारकाधीश मार्ग स्थित नाहरसिंह माता मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुए। इसके अलावा जिले के प्रसिद्ध शक्तिपीठों में सुमार विकासवास माता, दोवड़ा माता, बायण माता, वारोही माता, पिपलाज माता और कालिका माता मंदिरों में भी घट स्थापना के साथ विविध अनुष्ठानारंभ हुए, जिनकी पूर्णाहूति नौ दिनों बाद होगी। त्योहार के आगमन से राजसमंद के मुख्य बाजारों में जबरदस्त रोक और व्यापारिक चहल-पहल देखने को मिली। पूजन समग्री, माता के श्रृंगार, चुनरी, ताजे फूलों की मालाओं और व्रत-उपवास की खाद्य सामग्रियों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ जुटी रही। दुकानदारों के अनुसार पहले दिन से ही बिच

पर आसीन पदाधिकारियों और कमेटी सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि चोरडिया ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में टीपीएफ के आगामी कार्यक्रमों, संगठन के विस्तार और इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने आचार्य महाप्रज्ञ योजना के तहत इस बात पर विशेष जोर दिया कि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे, और जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं सहित प्रोफेशनल क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे तेरापंथ समाज के प्रोफेशनल्स की सराहना की। और अधिकाधिक प्रोफेशनल्स को संगठन से जुड़कर सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि रेखा जैन ने



में अच्छा उछाल आया है, जिससे पूरे शहर में उत्सव का माहौल है। इसके साथ ही कई स्थानों पर गरबा महोत्सव की भी आयोजन किए जा रहे हैं, जिसको लेकर आकर्षक रंग बिरंगी परियों से सुसज्जत पाण्डाल बनाए गए हैं। वहां पर डीजे की धून पर दस दिनों तक गरबा महोत्सव खेला जाएगा। शहर सहित जिलेभर के मंदिरों में घट स्थापना के साथ ही शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर शहर के विभिन्न गली-मोहल्लों और कॉलोनीयां में आकर्षक रंग-बिरंगी परियों, फूलों और रोशनी से सुसज्जित पाण्डाल सजाकर माता की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। श्रीबालकृष्ण स्टेडियम में लालन ग्रुप की ओर से अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में गाजे-बाजे के साथ माता की प्रतिमा की स्थापना की गई। वैदिक पूजा-अर्चना और आरती के पश्चात सनातन परंपरा के तहत 101 कन्याओं का पूजन किया गया। वहीं दूसरी ओर द्वारकेश वाटिका में रॉयल ग्रुप के अध्यक्ष हेमंत पालीवाल के सान्निध्य में पाण्डाल में वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-यज्ञ के साथ माताजी की प्रतिमा स्थापित की गई।

राजस्थान दर्शन

राजसमंद । शक्ति की उपासना के पावन महापर्व शारदीय नवरात्रि का रविवार को जिलेभर में आगाज हो गया। शुभ मुहूर्त में शहर के देवी मंदिरों, देवालयों और घर-घर में विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ घट (कलश) स्थापना की गई। इसके साथ ही मंदिरों में ज्वारे बोंए गए और माता आदिशक्ति की विशेष आराधना का दौर शुरू हो गया। घट स्थापना और सोमवार के अवकाश के चलते पहले ही दिन शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार अलसुबह से ही प्रमुख शक्तिपीठों पर दर्शनार्थियों की लंबी-लंबी कतारें लगा गईंए जो दूर रात तक जारी रही। राजनगर स्थित पहाड़ी पर विकसित अन्नपूर्णा माता, आवरी माता, राठासेन माता व धूंधलाजा माता के साथ-साथ राजसमंद झील किनारे स्थित घेवर माता, अम्बा माता, भोईवाड़ा स्थित चावण्ड माता, कालाजी-गौराजी मंदिर, द्वारकाधीश मार्ग स्थित नाहरसिंह माता मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुए। इसके अलावा जिले के प्रसिद्ध शक्तिपीठों में सुमार विकासवास माता, दोवड़ा माता, बायण माता, वारोही माता, पिपलाज माता और कालिका माता मंदिरों में भी घट स्थापना के साथ विविध अनुष्ठानारंभ हुए, जिनकी पूर्णाहूति नौ दिनों बाद होगी। त्योहार के आगमन से राजसमंद के मुख्य बाजारों में जबरदस्त रोक और व्यापारिक चहल-पहल देखने को मिली। पूजन समग्री, माता के श्रृंगार, चुनरी, ताजे फूलों की मालाओं और व्रत-उपवास की खाद्य सामग्रियों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ जुटी रही। दुकानदारों के अनुसार पहले दिन से ही बिच

टीपीएफ की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए राजसमंद शाखा को रचपीयन ब्रांच अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने का उल्लेख किया और भविष्य में भी सेवा, समर्पण के साथ कार्यक्रम करने का संदेश दिया। डॉ बड़ोला और भिक्षु बोधिस्थल के अध्यक्ष नवलखा ने भी अपने विचारों से उपस्थित जनसमूह को उत्साहित किया तथा विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की। समारोह में कक्षा प्रथम से बारहवीं तक के मेधावी विद्यार्थियों, विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों, विभिन्न डिग्रीधारकों और राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं सहित कुल 70 मेधावी सम्मानित किए गए। जैन विद्या परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को टीपीएफ द्वारा सम्मानित किया गया





लॉग टर्म कोर्स की बजाय रोजगार पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं आज के युवा

नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवतः उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रशिक्षण विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं।

ठहराव आया है, संभवतः उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रशिक्षण विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं। डेटा साइंस और एनालिटिक्स कोर्स (22 प्रतिशत), इसके बाद डिजिटल मार्केटिंग (20 प्रतिशत), और वित्त और जोखिम प्रबंधन (16 प्रतिशत) शीर्ष पाठ्यक्रमों में से थे जो नौकरी ढूँढ़ने वालों द्वारा चुने गए थे।

गेजिंग इन टू द फ्यूचर

यंग इंडिया, देयर एम्प्लॉयर्स एंड कैरियर चॉइस के एक सर्वेक्षण के अनुसार, अल्पकालिक पेशेवर योजना ही एक सही रास्ता है। उतरदाताओं ने कहा कि वे तेजी से एक 'नौकरी' के बारे में सोचेंगे और 'कैरियर' नहीं, क्योंकि उनके आसपास की चीजें तेजी से बदल रही हैं और वे अगले पांच वर्षों में भी ऐसे जीवन कैरियर की कल्पना नहीं कर सकते हैं जब बहुत सारे वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के होते हुए भी शायद ही कुछ ऐसे होंगे जो एक उचित परिपेक्ष्य में, अनुकूल और लाभप्रद रोजगार दे सकेंगे। टलेंटेज ने 20,000 छात्रों में से ऐसे उतरदाताओं की पहचान की है जिन्होंने इस संस्था में पिछले वर्ष नामांकन किया था, उनमें से 60 उतरदाताओं ने इस सर्वे में भाग लेने के लिए फाइनल कट दिया है। सर्वेक्षण पर आधारित यह अध्ययन लगभग पांच वर्षों तक किया गया, जिसमें से मानव संसाधन प्रमुखों, सीएक्सओ, कैरियर काउंसलर और समाजशास्त्रियों के उत्कृष्ट विचारों को संज्ञान में लिया गया, ताकि इस उभरते हुए झुकाव की विस्तृत तस्वीर सामने आ सके और उम्मीदवारों को सही मार्गदर्शन मिल सके। टलेंटेज के आदित्य मालिक ने एक बिजनेस समाचार पत्र में दिए गए एक वक्तव्य में बताया कि 29 साल की औसत आयु के साथ भारत 2026 तक दुनिया का सबसे युवा देश होगा। उन्होंने बताया कि वो युवा भारतीयों के विचारों को, उनके कैरियर के विकल्पों की संभावनाओं को और उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में समझना चाहते थे। अध्ययन में पाया गया कि डिग्रियों का कम्पित अधिग्रहण कैरियर का एक नया मापदंड होगा, जैसा कि उतरदाताओं ने कहा कि उन्हें क्रियाशील व व्यावहारिक तजुर्बों से सीखना होगा और जरूरत पड़ने पर और अधिक डिग्री हासिल करनी होगी। विशेषज्ञों ने इस सर्वेक्षण पर विचार विमर्श किया और पाया कि शिक्षा सिर्फ एक बार का मामला नहीं होगा बल्कि एक सतत प्रक्रिया होगी जिसमें युवा जैसे जैसे आगे बढ़ते जायेंगे, डिग्रियां हासिल करते रहेंगे। आदित्य मालिक ने आगे बताया कि कॉर्पोरेट दुनिया के साथ बढ़ती निराशा युवाओं के जूनून को काम में परिवर्तित करने में उन्हें आगे ले जाएगी। लीक से हटकर बढ़ते हुए पाठ्यक्रमों ने नए कैरियर को पंख दे दिए हैं। और आज के युवा भी शायद इसे ही ज्यादा महत्त्व दे रहे हैं और अपना रुझान भी इसी पर केंद्रित कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार के लिए आज एक बहुत बड़ा स्कॉप खुल गया है, यह स्वीकार करते हुए कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं थे कि यह कितना आकर्षक होगा, क्योंकि इसके लिए बहुत अधिक प्रयास और परिश्रम की आवश्यकता होती है। तो अगर आप एक युवा हैं और अपने कैरियर को लेकर गंभीर हैं तो शायद आप अच्छी तरह से समझ गए होंगे कि शार्टटर्म का कोई मनचाहा कोर्स आपको सही दिशा में ले जायेगा या फिर कोई लॉन्गटर्म वाला कोर्स।



एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं।

पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत लाखों-करोड़ों साल पहले ही हो गई है। ऐसे कई जीव व जानवर हैं, जो सालों पूर्व धरती पर मौजूद थे, लेकिन अब वह विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन उनके जीवाश्म की मदद से पृथ्वी पर जीवन के इतिहास के अध्ययन को ही पैलियोन्टोलॉजी कहा जाता है। यह जीवाश्मों के अध्ययन के माध्यम से पृथ्वी पर पिछले जीवन की जांच है। जीवाश्म पौधों, जानवरों, कवक, बैक्टीरिया और अन्य एकल-कोशिका वाले जीवित जीवों के अवशेष या निशान हैं जो भूवैज्ञानिक अतीत में रहते थे और पृथ्वी की क्रस्ट में संरक्षित हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि पैलियोन्टोलॉजिस्ट सिर्फ डायनासोर का अध्ययन करते हैं, जबकि यह सच नहीं है। बल्कि यह जीवाश्मों की मदद से पृथ्वी पर जीवित चीजों की पूरी प्रजातियों का अध्ययन है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं करियर

क्या होता है काम

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं। वे प्रागैतिहासिक जीवन रूपों और जीवाश्मों की परीक्षा के माध्यम से पौधे और पशु जीवन के विकास पर शोध करते हैं। वे विलुप्त प्रजातियों के बारे में जानने के लिए जानवरों की हड्डियों, गोले और कास्ट का उपयोग



वर्तमान समय में, छात्रों के लिए संभावनाओं का एक खुला आसमान है, जहां पर वह विचार करके एक सुखद व सफल भविष्य बना सकते हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है लेक्सोग्राफी। हो सकता है कि आपके लिए यह शब्द नया हो, लेकिन हम आपको बता दें कि शब्दकोश प्रारूप में 'शब्द' लिखने की कला को लेक्सोग्राफी कहते हैं। लैंग्वेज स्टडी के इतिहास में इसका एक अहम स्थान है। जिसमें शब्दकोश निर्माण के दौरान इतिहास, थ्योरी, मैथडोलॉजी और टाइपोलॉजी शामिल है। अगर आप भी अलग-अलग भाषाओं के साथ अपना भविष्य देखते हैं तो आप लेक्सोग्राफी के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं अपना कैरियर-

क्या होता है काम

लेक्सोग्राफर एक प्रोफेशनल भाषाविद होते हैं, जो डिक्शनरी, एनसाइक्लोपीडिया व अन्य रेफरेंस टेक्स्ट जैसे लॉ और मेडिकल डिक्शनरी बनाने के लिए रिसर्च, लेखन, संकलन व संपादन करते हैं। आमतौर पर, लेक्सोग्राफी को दो शाखाओं में

जीवाश्म विज्ञानी के रूप में तलाशें रोजगार की संभावनाएं

करते हैं। साथ ही वह जीवाश्मों का पता लगाने और जीवाश्मों के बारे में प्रासंगिक तथ्यों की पहचान करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। उनके कार्यक्षेत्र में जीवाश्मों का पता लगाना और उनकी खुदाई करना, निष्कर्षों की पहचान, अनुसंधान और उन्हें साझाकरण करना शामिल है।

पर्सनल स्किल्स

पैलियोन्टोलॉजिस्ट को कंप्यूटर की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और सांख्यिकीय विश्लेषण में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा उसमें मौखिक और लिखित संचार कौशल भी होने चाहिए, क्योंकि उन्हें पेशेवरों की एक टीम के साथ काम करना होता है। पैलियोन्टोलॉजिस्ट के पास उच्च जिज्ञासा स्तर और इमेजिनेशन पावर होनी चाहिए। उन्हें तार्किक और गंभीर रूप से सोचने में सक्षम होना चाहिए, जिज्ञासु और अत्यंत विश्लेषणात्मक होना चाहिए, और एकत्रित डेटा या जानकारी से निष्कर्ष निकालने की क्षमता भी इस क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। चूंकि जीवाश्म विज्ञान एक कठिन काम है, जिसमें जीवाश्मों को खोजने और खुदाई करने के लिए बहुत से बाहरी काम करने की आवश्यकता होती है, एक इच्छुक व्यक्ति को धैर्यपूर्ण होना चाहिए।

योग्यता

पैलियोन्टोलॉजी एक विज्ञान से संबंधित लेकिन व्यापक क्षेत्र है। इसलिए एक जीवाश्म विज्ञानी को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और

भूविज्ञान को जानना आवश्यक है। जीवाश्म विज्ञान में अधिकांश प्रवेश स्तर के पदों के लिए भूविज्ञान या पृथ्वी विज्ञान में मास्टर डिग्री की आवश्यकता होती है। वहीं रिसर्च और कॉलेज टीचिंग के लिए पीएचडी होना आवश्यक है। कई भाषाओं का ज्ञान इस क्षेत्र के लिए एक अतिरिक्त लाभ है।

रोजगार की संभावनाएं

एक पैलियोन्टोलॉजिस्ट के रूप में आप कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थान, संग्रहालयों, या राज्य और संघीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों, प्रयोगशालाओं आदि में काम कर सकते हैं। जीवाश्म विज्ञानी सार्वजनिक व निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

आमदनी

एक जीवाश्म विज्ञानी की आमदनी उनके शिक्षा के स्तर, अनुभव व जहां पर वे काम करते हैं, उस पर निर्भर करती है। निजी क्षेत्र में आपकी योग्यता व अनुभव के आधार पर अच्छा वेतन मिलता है। शुरुआती रूप में एक जीवाश्म विज्ञानी 15000 से 25000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। इसके बाद आपके अनुभव के आधार पर आमदनी बढ़ती जाती है।

प्रमुख संस्थान

भारत में केवल एक संस्थान जीवाश्म विज्ञान में एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यह हैदराबाद के बंडलागुडा में स्थित जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया है।

एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं।

पब्लिशिंग हाउस के लिए काम करते हैं। वह अपना कैरियर असिस्टेंट एडिटर या फिर जूनियर एडिटोरियल असिस्टेंट के तौर पर शुरू कर सकते हैं। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप बतौर लेक्सोग्राफर काम कर सकते हैं - यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोग सैलरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुशी के लिए काम करते हैं। एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाले लेक्सोग्राफर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। वैसे कई लेक्सोग्राफर एक फ्रीलांसर के तौर पर काम करते हैं और इस तरह वह हर प्रोजेक्ट के लिए चार्ज करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डेक्कन संस्थान, पुणे
- पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- मद्रास विश्वविद्यालय केरल विश्वविद्यालय, केरल
- भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर



डॉक्टर बनने के लिए जरूरी है नीट परीक्षा ऐसे करें तैयारी

नीट मतलब नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट! यह परीक्षा देशभर में मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए आयोजित की जाती है। 12वीं के बाद अगर आप भी डॉक्टर बनना चाहते हैं और इससे संबंधित एमबीबीएस अथवा बीडीएस की पढ़ाई करना चाहते हैं तो आपको इस नीट का एग्जाम देना ही पड़ेगा। बता दें कि नेशनल टैस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए द्वारा इसके लिए एंट्रेंस एग्जामिनेशन प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सबजेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए। जान लें कि अगर आपने 12वीं की पढ़ाई ठीक ढंग से की है, खासकर बायोलॉजी, फिजिक्स व केमिस्ट्री में, तो आप इस परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, किंतु ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एकमात्र मेडिकल परीक्षा है। अतः कंपटीशन बेहद कठोर होता है। अतः मुश्किल तो होगी, किन्तु यह नामुमकिन कतई नहीं है! परीक्षा के माध्यम की बात करें तो हिंदी और अंग्रेजी में इसके प्रश्न दिए जाते हैं। अगर आप इस परीक्षा में पास हो जाते हैं तो ऑनलाइन इसकी काउंसिलिंग होती है और नेशनल लेवल के अलावा स्टेट लेवल पर भी इसकी काउंसिलिंग कंडक्ट की जाती है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी के हिसाब से सीटों को आवंटित किया जाता है। एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर इसकी दूसरी कई जानकारीयां आपको मिल जाएंगी। यहां तक कि आप मॉक टेस्ट का पेपर भी यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं और उस हिसाब से अपनी तैयारी को धार दे सकते हैं। कैरियर एक्सपर्ट्स तैयारी के लिए सलाह देते हैं कि आपको काफी पहले से इस पर ध्यान देना होता है, किंतु जिस स्तर का टफ एग्जामिनेशन होता है, उसे देखते हुए आपको अंतिम के तकरीबन 2 महीने बेहद सटीकता से रीवीजन पर बिताना होगा। इसके लिए आपको न केवल स्टूड्स से बचना होगा, बल्कि बेहतरीन तैयारी के लिए पूरी शेड्यूलिंग करके अलग-अलग सबजेक्ट पर ध्यान देना होगा। ध्यान रहे! यह कोई

नीट परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सबजेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।

साधारण एग्जामिनेशन नहीं है, इसलिए आप भिन्न एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन लेने में संकोच ना करें। इसमें पिछले वर्ष के टॉपर्स का इंटरव्यू आपको मिल जाएगा, जिसे आपको पढ़ना-सुनना चाहिए। इसी प्रकार से जो दूसरे एक्सपर्ट्स हैं, उनकी राय भी आपको काफी लाभ पहुंचा सकती है। किन्तु अंत में आपका डिस्प्लिन और बेहतरीन रीवीजन के साथ मॉक टेस्ट पेपर अधिक से अधिक बार सॉल्व करना आपके लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। कंप्रिहेंसिव रीवीजन इसमें काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए आपको एनसीआरटी बुक्स का गहराई से अध्ययन करना चाहिए। अंत में आपको संपूर्ण सिलेबस पर ध्यान देना होता है और सिलेबिट वर्गीकृत को स्टडी करने से बचना है। आपको सम्पूर्ण कोर्स के अधिक से अधिक हिस्सों को, कम से कम समय में कवर करने की कोशिश करनी चाहिए। ध्यान रहे, इसका कोई शॉर्टकट नहीं है, बल्कि कड़ी मेहनत ही आपको इसमें इक्षित परिणाम दे सकती है।



राजस्थान दर्शन

विकसित भारत जन सेवा सेतु अभियान-2026 के तहत नगरपरिषद के इन वार्डों में 12 एवं 13 अक्टूबर को लगेंगे वार्डवार शिविर

राजस्थान दर्शन
जैसलमेर निदेशक एवं विशिष्ट सचिव स्वायत्त शासन विभाग जयपुर के दिशा-निर्देशों की पालना में विकसित भारत जन सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत निदेशानुसार बुधवार, 7 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक वार्डवार शिविर का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। आयुक्त नगरपरिषद जैसलमेर, पवन कुमार द्वारा निर्धारित शिविर कार्यक्रमानुसार आज सोमवार, 12 अक्टूबर को वार्ड संख्या 21 से 25 एवं कल मंगलवार, 13 अक्टूबर को वार्ड संख्या 26 से 30 के लिए जैसलमेर नगरपरिषद स्थित कार्यालय प्रांगण में प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक शिविर कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। आदेशानुसार शिविर के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए नगर परिषद जैसलमेर के अधिशाषी अभियंता विनोद कुमार सौलंकी को शिविर प्रभारी अधिकारी एवं सहायक अभियंता हंसराज को सहप्रभारी अधिकारी लगाया गया है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे उन्हें सोपे गए कार्यों एवं दायित्वों का सवेदनशीलता के साथ निर्वहन करना सुनिश्चित करेंगे। आयुक्त नगरपरिषद ने संबंधित सभी वार्डवासियों से अपील की है कि वे इन शिविरों में अधिकाधिक संख्या में पहुंच कर इसका पूरा लाभ उठावे।

माधव विश्वविद्यालय में एलुमनाई मीट आयोजित, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन
विभिन्न संकायों की शॉर्ट फिल्म से पुरानी यादों को किया ताजा

राजस्थान दर्शन
आबूरोड माधव विश्वविद्यालय में प्रो-चेयरपर्सन डॉ. भारती देसाई के मार्गदर्शन में टीवीटीसीसी की ओर से एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विश्वविद्यालय से जुड़ी पुरानी यादों को साझा किया गया। छात्र-छात्राओं ने गानन, नृत्य और समूह नृत्य की प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संकायों की शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इनके माध्यम से संकायों से जुड़ी गतिविधियों और पुरानी यादों को दर्शाया गया। फिल्मों के जरिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को झलक प्रस्तुत की गई। उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और विश्वविद्यालय से जुड़े अनुभवों को याद किया। एलुमनाई मीट के दौरान पूर्व विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी एवं सहयोग की भावना का परिचय देते हुए सत्र 2025-26 में विश्वविद्यालय को एमबुलेंस भेंट की थी। इसी क्रम में सत्र 2026-27 में पूर्व विद्यार्थियों की ओर से प्रो चेयरपर्सन, प्रो प्रेसिडेंट, प्रो प्रेसिडेंट (अकादमिक) एवं रजिस्ट्रार सहित अन्य गणमान्यजनों की उपस्थिति में 15 लैपटॉप भेंट किए गए, जिनकी कुल कीमत 7 लाख रुपये से अधिक है। पूर्व विद्यार्थियों द्वारा दिया गया यह योगदान विश्वविद्यालय के प्रति उनके गहरे जुड़ाव, कृतज्ञता और सहयोग की भावना को दर्शाता है। इस अवसर पर कार्यक्रम में शामिल पूर्व विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में प्रो-चेयरपर्सन डॉ. भारती देसाई, प्रो-प्रेसिडेंट प्रो. (डॉ.) सुशील भार्गव, प्रो-प्रेसिडेंट (अकादमिक) प्रो. (डॉ.) रितेश वेद्य, रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत, प्रॉक्टर डॉ. आदेशपाल सिंह, अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. महेंद्र सिंह परमार, शोध निदेशक प्रो. (डॉ.) संजय कुमार दास, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अर्चना तेंकर व एलुमनाई मीट के निदेशक डॉ. देवेन्द्र मुझालदा सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, टीवीटीसीसी सदस्य और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पत्नी-बच्चों से मिलने जा रहे डॉक्टर की कार भिड़ी, मौत
इंजरपुर
इंजरपुर मेडिकल कॉलेज के हरीदेव जोशी हॉस्पिटल के सीनियर डॉक्टर राजेश रोजे की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। डॉ रोजे सर्जरी डिपार्टमेंट के हेड थे। एक्सीडेंट रविवार (11 अक्टूबर) सुबह 3 बजे जिले के जैताना में नेशनल हाईवे 927-ए पर हुआ। पुलिस के अनुसार रोजे की क्रेटा कार आगे चल रही गाड़ी से भिड़ गई थी। कार का अगला हिस्सा चूकनाचूर होने से रोजे अंदर ही फंस गए थे। उन्हें बड़ी मुश्किल से गंभीर हालत में बाहर निकाला गया था। सांगवाड़ा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉ. राजेश रोजे जिले के वरदा थाना क्षेत्र के नौकना गांव के रहने वाले थे। उनके पिता किसान हैं। रोजे के बड़े भाई भगवतीलाल ने बताया कि डॉ. राजेश शनिवार रात करीब 11 बजे इंजरपुर से बांसवाड़ा जाने के लिए निकले थे। वे पत्नी और बच्चों के पास जा रहे थे। आडीवाट पेट्रोल पंप के पास उनसे आगे चल रही गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे डॉ. रोजे की कार उसमें घुस गई। इंजरपुर मेडिकल कॉलेज शुरू होने के साथ ही डॉ. राजेश रोजे और उनकी पत्नी डॉ. ममता डामोर यहां पोस्टेड थे। उनकी पत्नी डॉ. ममता का पिछले दिनों ही बांसवाड़ा में ट्रॉस्पेक्ट हो गया था। वो एनेस्थीसिया डिपार्टमेंट हैं। परिवार ने बताया ममता और बच्चे बांसवाड़ा में ही रहते हैं। इसलिए डॉक्टर राजेश वहां आते-जाते रहते थे।

जोधपुर में बस और स्विफ्ट कार में भिड़ंत: कार ड्राइवर गंभीर घायल
जोधपुर
जोधपुर के झंवर थाना क्षेत्र में बस और स्विफ्ट कार की टक्कर में कार ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोग और पुलिस की मदद से घायल को मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी खतरनाक थी की स्विफ्ट कार का पूरी तरह चकनाचूर हो गई जबकि बस का आगे का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात को सुचारु करवाया। हादसा आज शाम करीब 4 बजे धवा गांव के पास हुआ। बालोतरा रोड पर चलने वाली एक बस और कार की धवा गांव के पास गेलावास के निकट गोलाई में टक्कर हो गई। इस दौरान कार के एयरबैग खुलने से कार ड्राइवर बाल-बाल बचा और उसे घायल अवस्था में हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। झंवर थाना पुलिस मामले में घायल की पहचान जुटाने में जुटी है। झंवर थाने के पिंदू कुमार ने बताया कि बस जोधपुर से बालोतरा की तरफ आ रही थी। जबकि स्विफ्ट कार जोधपुर की तरफ जा रही थी। धवा के पास ओवरटेक करने के प्रयास में स्विफ्ट बस से टकरा गई। हादसे में कार चालक के पांव में चोट आई है जिसे इलाज के लिए हॉस्पिटल भिजवाया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जोधपुर
जोधपुर के झंवर थाना क्षेत्र में बस और स्विफ्ट कार की टक्कर में कार ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोग और पुलिस की मदद से घायल को मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी खतरनाक थी की स्विफ्ट कार का पूरी तरह चकनाचूर हो गई जबकि बस का आगे का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात को सुचारु करवाया। हादसा आज शाम करीब 4 बजे धवा गांव के पास हुआ। बालोतरा रोड पर चलने वाली एक बस और कार की धवा गांव के पास गेलावास के निकट गोलाई में टक्कर हो गई। इस दौरान कार के एयरबैग खुलने से कार ड्राइवर बाल-बाल बचा और उसे घायल अवस्था में हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। झंवर थाना पुलिस मामले में घायल की पहचान जुटाने में जुटी है। झंवर थाने के पिंदू कुमार ने बताया कि बस जोधपुर से बालोतरा की तरफ आ रही थी। जबकि स्विफ्ट कार जोधपुर की तरफ जा रही थी। धवा के पास ओवरटेक करने के प्रयास में स्विफ्ट बस से टकरा गई। हादसे में कार चालक के पांव में चोट आई है जिसे इलाज के लिए हॉस्पिटल भिजवाया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी राव संजय सिंह के लिए मेसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस, 311-A, चित्रकूट नगर, उदयपुर, राजस्थान- 313001 से मुद्रित एवं 356, रावो का वास, सिन्दरली, तहसील- देसुरी, पाली राजस्थान -306702 से प्रकाशित। संपादक: कमलेश सिंह, एच- 6, नंदपुरी कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर- 302017, फोन न- 0141-48199557 मो. 9166693566 E-mail rdnewspali @gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पाली होगा (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)



सिरोही जालौर दर्शन

डोटोसरा की चेतावनी: ‘भूलो और माफ करो’ की नीति अब नहीं चलेगी, सबकी लिस्ट बन रही है, एक-एक का हिसाब होगा

जयपुर
राजस्थान में पंचायत चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटोसरा ने भाजपा सरकार के साथ-साथ उन अधिकारियों और कर्मचारियों को भी चेतावनी दी है, जिन पर उन्होंने सरकार के गलत कामों में साथ देने का आरोप लगाया। डोटोसरा ने कहा कि कांग्रेस अब ‘भूलो और माफ करो’ की नीति पर नहीं चलेगी। जिन लोगों ने जनता पर जुल्म किया और लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया, उनका एक-एक कर हिसाब लिया जाएगा। ऐसे लोगों की सूची दिल्ली में राहुल गांधी और राजस्थान में कांग्रेस तैयार कर रही है। रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए डोटोसरा ने दावा किया कि दो साल बाद राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले ही आचार संहिता लग जाएगी और पार्टी कार्यकर्ता उन लोगों की सूची तैयार

झालावाड़ में मानवता शर्मसार: नाले में मृत मिला सफाई कर्मचारी, कचरा गाड़ी में ले जाना पड़ा शव

झालावाड़
झालावाड़ जिले के खानपुर में नाले से मिले सफाई कर्मचारी के शव को सांगोद पहुंचाने के लिए परिजनों को नगरपालिका के कचरा वाहन का सहारा लेना पड़ा। शव की अत्यधिक खराब स्थिति और तेज दुर्गंध के कारण किसी भी निजी वाहन चालक ने उसे ले जाने की सहमति नहीं दी। अस्पताल परिसर में अलग से शव वाहनी की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण परिजनों को यह कठोर कदम उठाना पड़ा। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में इसकी तीव्र चर्चा होने लगी और परिजनों की यह लाचारी देखकर अस्पताल में उपस्थित लोग भावुक हो गए। सांगोद निवासी सांगोद नगरपालिका का सफाई कर्मचारी राकेश वाल्मीकि 7 अक्टूबर को बिना किसी को सूचना दिए घर से चला गया था। परिजनों के अनुसार वह पूर्व में भी कई बार इसी प्रकार बिना बताए घर से चला जाता था। पिछली घटनाओं को देखते हुए परिवार के सदस्यों ने इस बार भी पुलिस में कोई गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। 9 अक्टूबर को खानपुर पुलिस को खानपुर की अनाज मंडी के निकट एक नाले में राकेश का शव पड़ा मिला। पानी और नाले में रहने की वजह से शव की हालत काफी खराब हो चुकी थी और उसमें से काफी तेज दुर्गंध आ रही थी। शनिवार को पुलिस ने परिजनों को राकेश का शव मिलने की आधिकारिक सूचना दी। जानकारी प्राप्त होते ही परिवार के लोग तुरंत

सरकारी दवाइयां चुराकर बेच रहा था नर्सिंग ऑफिसर: घर पर बना रखा था गोदाम-मेडिकल स्टोर, 20 लाख रुपए की मेडिसिन और इंजेक्शन मिले

टोंक
टोंक के जिला हॉस्पिटल का नर्सिंग ऑफिसर घर पर सरकारी दवाइयां बेच रहा था। डीएसटी और कोतवाली थाना पुलिस ने शनिवार रात उसके घर पर दबिश देकर सरकारी हॉस्पिटल की 20 लाख रुपए की दवाइयां, 47 हजार रुपए कैश और मोबाइल जब्त किया। आरोपी से नर्सिंग ऑफिसर अकबर खान (35) पुत्र अयुब खान का काली पलटन का रहने वाला है। उसने अपने घर पर अवैध रूप से मेडिकल स्टोर खोल रखा था। नौकरी की आड़ में हॉस्पिटल से ढाई साल से दवाइयां चोरी कर बेच रहा था। कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के साथ सरकारी दवाइयां की चोरी और अवैध बििकी से जुड़ी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। मामले की जांच पुरानी टोंक थाने को दी है। प्छड़ प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया - अकबर खान के घर से 600 अल्ट्राजोलम टेबलेट, 355 ट्रामाडोल इंजेक्शन और 200 एविल इंजेक्शन बरामद किए गए। ये सर्जिकल वार्ड के सर्जरी वाले पेसेंट की डॉक्टर द्वारा लिखने पर ही दी जाती है। इसके अलावा 500 ठेकसामेथासोन, 500 रैनिटिडिन, 300 एमिकासिन, 210 सेफोपेराजोन, 200 डिक्लोफेनाक और 150 सेफिट्रएक्सोन इंजेक्शन भी जब्त किए गए। मौके से जिनोसिन, मेरोपेनम, जेंटामाइसिन और हाइड्रोकार्टिसोन जैसे अन्य कोमती इंजेक्शन भी सैकड़ों की संख्या में मिले।

हथियारों की खेप लेकर आ रहा अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार: अवैध हथियार और 38 कारतूस बरामद

धौलपुर
पंचायत चुनावों से पहले अवैध हथियारों की तस्करी रोकने के लिए धौलपुर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। सनमथुरा थाना पुलिस ने ग्वालियर से अवैध हथियारों की खेप लेकर आ रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से पांच अवैध हथियार और 38 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी ग्वालियर से करौली जा रही एक निजी बस में सवार था। पुलिस ने मुखौब की सूचना पर बसंतपुरा मोड़ पर नाकाबंदी कर उसे पकड़ा। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश के ग्वालियर क्षेत्र के विभिन्न थानों में चोरी सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। अब उससे हथियारों की खरीद-फरोख्त और सल्लाई नेटवर्क के संबंध में पृष्ठताछ की जा रही है। पुलिस को खैर नदी पुल के पास मुखाब्जि से सूचना मिली थी कि ग्वालियर से करौली जा रही एक निजी बस में एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बसंतपुरा मोड़ पर नाकाबंदी की। इस दौरान पुलिसकर्मी धर्मवीर सिंह ने लाल बैग लेकर भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी



की पहचान आदित्य सिंह ठाकुर निवासी तिलावली, मुरैना (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में ग्वालियर की पंकज विहार कॉलोनी में रह रहा था। पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली तो उसमें अवैध हथियार और कारतूस मिले। पुलिस के अनुसार, आरोपी के बैग से दो देसी पिस्टल .32 बोर, दो मैगजीन, दो देसी कट्रे .315 बोर और एक पौना .315 बोर बरामद हुआ। इसके अलावा .32 बोर के 18 और .315 बोर के 20 जिंदा कारतूस मिले।

अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच के लिए पुलिस महानिदेशक को दिए गए कांग्रेस के ज्ञापन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जानकारी मिली है कि मामले की जांच बिजिलेंस से कराई जा रही है। कांग्रेस इसका स्वागत करती है, लेकिन केवल जांच से काम नहीं चलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने लोकतंत्र का गला घोंटा और वोटों की चोरी की, उन्हें जेल की सलाखों के पीछे जाना होगा। डोटोसरा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के जरिए वोट चोरी होने के आरोप भी दोहराए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर पीछे हटने वाली नहीं है। डोटोसरा ने बताया कि इंडिया गठबंधन के दिल्ली में होने वाले विरोध प्रदर्शन में राजस्थान से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रदेश के हर कोने से कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचेंगे और राहुल गांधी तथा मल्लिकार्जुन खरगे के साथ प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ यह लड़ाई केवल कांग्रेस या इंडिया गठबंधन की नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के मताधिकार की लड़ाई है। आरोप लगाया कि लोगों के वोट देने के अधिकार को कमजोर किया जा रहा है। पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर डोटोसरा ने कहा कि कांग्रेस ने जिलों के प्रभारी और विधानसभा कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर दिए हैं। सभी जिलों में पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटियां बनाई गई हैं और प्रदेश के प्रमुख नेताओं की कैपेन कमटी भी गठित की गई है। प्रत्याशियों का चयन आपसी सहमति से किया जाएगा और नेताओं को उनकी सुविधा के अनुसार अलग-अलग जिलों में प्रचार की जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा चाहें कितनी भी गुंडगर्दी कर ले, जनता उसे सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। पंचायत चुनाव में भाजपा का सुपड़ा साफ होगा। डोटोसरा ने भाजपा के ग्रामीण विकास संकल्प पत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने दो साल तक पंचायत चुनाव नहीं कराए और 1900 करोड़ रुपये लैस कर दिए।

पंचायत चुनाव: अधिसूचना जारी, फिर भी भाजपा-कांग्रेस-बीएपी ने नहीं खोले पत्ते, एक-दूसरे की सूची का इंतजार

बांसवाड़ा
राजस्थान में पंचायतीराज चुनाव 2026 के लिए पहले चरण की अधिसूचना जारी होने के बावजूद इंजरपुर और बांसवाड़ा में भाजपा और कांग्रेस ने उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं किए हैं। इंजरपुर में पहले चरण के नामांकन के लिए 12 और 13 अक्टूबर का समय बचा है। सूत्रों के अनुसार, दोनों दलों ने उम्मीदवारों के फैनल तैयार कर लिए हैं और एक-दूसरे की सूची जारी होने का इंतजार कर रहे हैं। बीएपी ने 47 नामों की घोषणा की है। इंजरपुर में पंचायतीराज चुनावों के पहले चरण में सात पंचायत समितियों में मतदान होगा। अधिसूचना जारी होने के बाद से बीएपी को छोड़कर अब तक एक भी नामांकन जमा नहीं हुआ है। पहले चरण के लिए 13 अक्टूबर तक आवेदन जमा होंगे, जिसमें महज दो दिन 12 और 13 अक्टूबर बचे हैं। विज्ञापन पहले चरण के तहत 22 अक्टूबर को सात पंचायत समितियों सांगवाड़ा, पाडवा, गलियाकोट, सीमलवाड़ा, झोंथरी, भंडारी और चिखली में जिला परिषद सदस्यों और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव होंगे। 24 अक्टूबर को 233 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव होंगे। इंजरपुर में जिला परिषद के कुल 37 और 14 पंचायत समितियों में 234 वार्डों में चुनाव होने हैं। जिले की 442 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव होंगे। दूसरे चरण में पंचायत समितियाँ इंजरपुर, पाल देवल, बिछीवाड़ा, गामड़ी अहाड़ा, साबला, आसपुर और देवड़ा में जिला परिषद सदस्यों तथा पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव होंगे। इस चरण में 205 ग्राम पंचायतों में 28 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। 29 अक्टूबर को ग्राम पंचायतों में वार्ड पंच और सरपंच पदों के लिए नामांकन होगा। 30 अक्टूबर की सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। उल्लेखनीय है कि बांसवाड़ा में भी दूसरे चरण के लिए 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी। यहां चार पंचायत समितियों के अंतर्गत आने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव होंगे। इंजरपुर की तरह बांसवाड़ा में भी अब तक किसी दल ने अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं किए हैं। बीएपी ने 47 नामों की घोषणा की है।

आमेर किले में फ्रांसीसी महिला से बदसलूकी का आरोप, दो होमगार्ड हिरासत में लेकर पृछताछ

जयपुर
राजधानी जयपुर स्थित प्रसिद्ध आमेर किले में एक विदेशी महिला पर्यटक के साथ अनुचित व्यवहार का मामला सामने आया है। विश्व प्रसिद्ध आमेर किले में घूमने आई फ्रांसीसी महिला पर्यटक ने सुरक्षा में तैनात दो होमगार्ड्स पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस दोनों आरोपी होमगार्ड्स और पीड़ित महिला पर्यटक को पृछताछ के लिए थाने ले गई। फिलहाल आरोपों की पुष्टि जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। जानकारी के अनुसार, फ्रांसीसी महिला रविवार को जयपुर घूमने आई थी। इसी दौरान वह आमेर किला देखने पहुंची। शीश महल क्षेत्र के पास यह घटना हुई, जहां पर्यटकों की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए होमगार्ड्स तैनात रहते हैं। महिला ने इयुटी पर तैनात दो होमगार्ड्स पर उसके साथ अनुचित व्यवहार करने के आरोप लगाए हैं। घटना के बाद महिला पर्यटक घबरा गई। इसके बाद उसने ट्रिस्ट फोर्स के सामने शिकायत दर्ज करवाते हुए अपनी आपबीती बताई। शिकायत की जानकारी मिलने पर संबंधित पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की पड़ताल शुरू की। मामले में होमगार्ड माहिर और दानिश के नाम सामने आए हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, दोनों जयपुर के हांडीपरा क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों होमगार्ड्स से पृछताछ शुरू की है। महिला पर्यटक से भी घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस की जांच में घटना के समय की परिस्थितियों, शिकायत में लगाए गए आरोपों और अन्य संबंधित तथ्यों की पड़ताल की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। आमेर किला जयपुर के प्रमुख ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक ऐतिहासिक इमारतों और स्थापत्य कला को देखने पहुंचते हैं। ऐसे में पर्यटकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सभालने वाले कर्मचारियों पर ही गंभीर आरोप लगना चिंता का विषय है। जयपुर में इससे पहले भी विदेशी महिला पर्यटकों के साथ बदसलूकी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

बेनीवाल बोले- हम नहीं चाहते लॉ एंड ऑर्डर बिगड़े: सहमति नहीं बनेगी तो दूसरा रास्ता देखेंगे

अनूपगढ
श्रीगंगानगर जिले के घड्साना में सिंचाई के पानी की मांग को लेकर किसान आंदोलन कर रहे हैं। गांव 12 एमडी स्थित टोल नाके पर सभा के बाद राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा- समय लग सकता है। लड़ाई आर-पार की है। इस बार घड्साना, रायला मंडी समेत क्षेत्र के किसानों को न्याय दिलाकर रहेंगे। बेनीवाल ने कहा- हम चाहते हैं कि लॉ एंड ऑर्डर नहीं बिगड़े। सरकार आराम से हमारी बात को सुने। हमने बातचीत के दरवाजे खुले रखे हैं। यहां का किसान पिछले 25 साल से लड़ाई लड़ रहा है। वह धकने वाला नहीं है। प्रशासन से वार्ता में बात बनती है तो ठीक है, नहीं तो दूसरा रास्ता देखेंगे। उन्होंने कहा- यी जब सीधी अंगुली से नहीं निकलता है तो अंगुली टेढ़ी करनी पड़ती है। किसान पुरा सहयोग करना चाहते हैं, लेकिन सरकार सहयोग नहीं कर रही है। इसका नतीजा सरकार को भुगतना पड़ेगा। इससे पहले शनिवार रात को सैकड़ों किसानों ने हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने श्रीगंगानगर की ओर कूच किया था। पुलिस ने गांव 12 एमडी स्थित टोल नाके पर बैरिकेडिंग कर बेनीवाल के काफिले को रोकने का प्रयास



किया, लेकिन किसान बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ गए थे। किसानों ने पत्रोड़ा के पास नेशनल हाईवे-911 जाम कर दिया। बेनीवाल ने किसानों के साथ वहीं रात गुजारी। रात करीब 3 बजे SDM और पुलिस अफसरों के साथ वार्ता हुई, लेकिन सहमति नहीं बन पाई। इसके बाद बेनीवाल ने सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया। रविवार सुबह से ही किसान 12 एमडी टोल प्लाजा पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने यहां बैरिकेडिंग कर रखी है।

